दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

ग्वालियर वर्ष: 03 अंक: 129 | ग्वालियर, रविवार 17 मई 2020 | पृष्ठ: 08- मूल्य: 2 रु.

संकट में राजस्थान के ये रोबोट करेंगे कोरोना योद्धाओं की मदद

थर्मल स्क्रीनिंग से लेकर मास्क न पहनने वालों की कर लेता है पहचान

जयपुर। कोरोना वायरस संकट से पूरी दुनिया जूझ रही है। भारत में भी कोरोना वायरस का संक्रमण लगातार बढ़ता ही जा रहा है और इसके कुल मामलों ने चीन को भी पीछे छोड़ दिया है। कोरोना संकट के बीच राजस्थान से एक अच्छी खबर आई है। जयपुर स्थित एक कंपनी ने ऐसे रोबोट को बनाया है जो इस संकट की घड़ी में काफी मददगार हो सकता है। यह रोबोट न सिर्फ थर्मल स्क्रीनिंग कर सकता है, बल्कि उन लोगों की भी पहचान कर सकता है जो मास्क नहीं पहनते। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, जयपुर स्थित कंपनी क्लब फर्स्ट् ने कोविड-19 महामारी के बीच कोरोना योद्धाओं (हेल्थ वर्कर्स) की मदद के वास्ते रोबोट का निर्माण किया है। इस कंपनी के एमडी भुवनेश मिश्रा का कहना है, रोबोट थर्मल स्क्रीनिंग कर सकता है, अगर कोई व्यक्ति मास्क नहीं पहनता है तो यह रोबोट उसकी भी पहचान कर सकता है। दरअसल, कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए मास्क पहनना और सोशल डिस्टेंसिंग के नॉर्म्स का पालन करना अनिवार्य है। यही वजह है कि सरकारें इनका पालन करने के लिए लगातार जोर दे रही हैं। थर्मल स्क्रीनिंग से शरीर का तापमान मापा जाता है और इसके लक्षणों की पहचान की जाती है। रोबोट की वजह से ये काम और भी आसान हो जाएंगे। बता दें कि देश में कोरोना वायरस के मामले चीन से अधिक हो चुके हैं। देश में अब तक कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या शुक्रवार को 85 हजार को पार कर गई। कश्मीर से केरल तक और कर्नाटक से बिहार तक कोविड-19 के मामले सामने आए हैं। चीन के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, वहां कोविड-19 के 82,933 मामले सामने आए थे।

प्राइवेट सेक्टर के लिए खुला अंतरिक्ष का रास्ता, भारत में निजी कंपनियां भी लॉन्च कर पाएंगी सैटेलाइट

नई दिल्ली। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कई सेक्टर्स के लिए सुधारों की घोषणा की। वित्त मंत्री ने इस दौरान स्पेस सेक्टर से जुड़ी गतिविधियों में निजी क्षेत्र को भी शामिल करने की घोषणा की। अभी तक भारत में इसरो ही अंतरिक्ष से जुड़े मिशन को अंजाम देता था। सरकार के इस फैसले से निजी कंपनियां भी सैटेलाइट लॉन्च कर पाएंगी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र में प्राइवेट सेक्टर को सह यात्री बनाया जाएगा। उन्हें सैटेलाइट लॉन्च और अंतरिक्ष आधारित दूसरी सेवाओं में बराबर का मौका दिया जाएगा। इसके लिए उन्हें उचित नियामक और माहौल उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि क्षमता विकास के लिए प्राइवेट सेक्टर को इसरो की सुविधाओं का

इस्तेमाल करने की इजाजत दी जाएगी। भविष्य में ग्रहों की खोज और दूसरे ग्रहों की यात्रा को भी प्राइवेट सेक्टर के लिए खोला जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज की चौथी किस्त में कोयला, खनिज, रक्षा उत्पादन, नागरिक उड्डयन क्षेत्र, केंद्र शासित प्रदेशों में बिजली वितरण कंपनियों, अंतरिक्ष क्षेत्र और परमाणु ऊर्जा क्षेत्र के संरचनात्मक सुधारों पर कई घोषणाएं की। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोनो वायरस महामारी के मद्देनजर लागू राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन से प्रभावित अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों को राहत देने के लिये सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग 10 प्रतिशत यानी 20 लाख करोड़ रुपये के प्रोत्साहन पैकेज की इस सप्ताह की शुरुआत में घोषणा की।

राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और हेमंत सोरेन ने जताया दुख

मृतक के परिजनों को 1-1 लाख रु. देगी सपा

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में शनिवार तड़के सुबह डीसीएम और ट्रक की टक्कर में 24 मजदूरों की मौत हो गई। वहीं, 36 लोग घायल हो गए हैं जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया है। इस हादसे के शिकार हुए ज्यादातर लोग बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के हैं। बताया जा रहा है कि डीसीएम दिल्ली से जबकि ट्रक राजस्थान से चला था। फिलहाल सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस हादसे को हादसे में जान गंवाने वाले मजदूरों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है। वहीं, उन्होंने आईजी कानपुर को घटनास्थल का दौरा कर इस दुर्घटना के कारणों पर तुरंत रिपोर्ट दें को कहा है।

- झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने भी औरैया हादसे में मारे गए मजदूरों पर दुख व्यक्त किया है।

- कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में हुए भीषण सड़क हादसे में 24 प्रवासी मजदूरों की मौत पर शनिवार को दुख जताया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

संकट में राजस्थान के ये रोबोट करेंगे कोरोना योद्धाओं की मदद

थर्मल स्क्रीनिंग से लेकर मास्क न पहनने वालों की कर लेता है पहचान

जयपुर। कोरोना वायरस संकट से पूरी दुनिया जूझ रही है। भारत में भी कोरोना वायरस का संक्रमण लगातार बढ़ता ही जा रहा है और इसके कुल मामलों ने चीन को भी पीछे छोड़ दिया है। कोरोना संकट के बीच राजस्थान से एक अच्छी खबर आई है। जयपुर स्थित एक कंपनी ने ऐसे रोबोट को बनाया है जो इस संकट की घड़ी में काफी मददगार हो सकता है। यह रोबोट न सिर्फ थर्मल स्क्रीनिंग कर सकता है, बल्कि उन लोगों की भी पहचान कर सकता है जो मास्क नहीं पहनते। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, जयपुर स्थित कंपनी क्लब फर्स्ट् ने कोविड-19 महामारी के बीच कोरोना योद्धाओं (हेल्थ वर्कर्स) की मदद के वास्ते रोबोट का निर्माण किया है। इस कंपनी के एमडी भुवनेश मिश्रा का कहना है, रोबोट थर्मल स्क्रीनिंग कर सकता है, अगर कोई व्यक्ति मास्क नहीं पहनता है तो यह रोबोट उसकी भी पहचान कर सकता है।

दरअसल, कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए मास्क पहनना और सोशल डिस्टेंसिंग के नॉर्म्स का पालन करना अनिवार्य है। यही वजह है कि सरकारें इनका पालन करने के लिए लगातार जोर दे रही हैं। थर्मल स्क्रीनिंग से शरीर का तापमान मापा जाता है और इसके लक्षणों की पहचान की जाती है। रोबोट की वजह से ये काम और भी आसान हो जाएंगे। बता दें कि देश में कोरोना वायरस के मामले चीन से अधिक हो चुके हैं। देश में अब तक कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या शुक्रवार को 85 हजार को पार कर गई। कश्मीर से केरल तक और कर्नाटक से बिहार तक कोविड-19 के मामले सामने आए हैं। चीन के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, वहां कोविड-19 के 82,933 मामले सामने आए थे। कोविड-19 से भारत अब दुनिया का 11वां सबसे प्रभावित देश है। इस सूची में अमेरिका शीर्ष पर है जहां पर 14 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं। इसके बाद क्रमशः रूस, ब्रिटेन, स्पेन, इटली और ब्राजील हैं जहां पर दो लाख से अधिक मामले हैं। वहीं फ्रांस, जर्मनी, तुर्की और ईरान में एक लाख से अधिक मामले सामने आए हैं।

प्रयागराज : सीआरपीएफ कैंप में सिपाही ने पत्नी

बेटे और बेटी की हत्या करने के बाद खुद को गोली से उड़ाया

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज में थरवई के पडिला स्थित सीआरपीएफ कैंप में शनिवार सुबह सीआरपीएफ के एक जवान ने अपनी पत्नी, बेटी और बेटा की गोली मारकर हत्या कर दी । इसके बाद कमरे में बंद करके खुद को गोली से उड़ा दिया। इस सनसनीखेज घटना की जानकारी मिलते ही सीआरपीएफ के डीआईजी समेत अन्य अधिकारी मौके पहुंचे। सूचना मिलने पर थरवई पुलिस और आसपास के थानों की फोर्स भी पहुंच गई। पुलिस ने जांच के बाद शव को कब्जे में ले लिया। सूचना मिलने पर जवान के ससुराल में हड़कंप मचा रहा। थरवई एसओ भुनेश्वर चौबे ने बताया कि मेजा थाना क्षेत्र के सिरसा का रहने वाला विनोद यादव सीआरपीएफ में गाड़ी चलाता था । वह कैम्प में बने सरकारी क्वार्टर में परिवार के साथ रहता था। शनिवार को उसने पत्नी विमला देवी(36) बेटी सिमरन (12) बेटा संदीप(15) की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद खुद को कमरे में बंद कर लिया और वहां उसने आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस अफसर मौके पर पहुंचे । जवान के इस हरकत से सीआरपीएफ कैंप में हड़कंप मचा रहा।

लॉकडाउन 4.0 : दिल्ली में सोमवार से शुरू हो सकती है मेट्रो और बस सेवा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में सोमवार से मेट्रो और बस सेवा शुरू होने की संभावना है। इस संबंध में दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) और दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) ने केंद्र और दिल्ली सरकार को एक्शन प्लान भेज दिया है। लॉकडाउन के चौथे चरण में अगर केंद्र से मंजूरी मिलती है तो दिल्ली में मेट्रो-बस के साथ-साथ तमाम सार्वजनिक परिवहन को चलाने की छूट दी जा सकती है।

शुरुआती चरण में मेट्रो में यात्रा करने के लिए स्मार्ट कार्ड या क्यूआर कोड स्कैन कर किराया वसूल किया जाएगा। क्यूआर कोड को स्कैन करने का सिस्टम दिल्ली में सिर्फ एयरपोर्ट लाइन मेट्रो में है। सूत्रों के मुताबिक, यात्रियों की थर्मल स्कैनिंग होगी। यात्रियों के फोन में आरोग्य सेतु एप होना जरूरी होगा। इससे पहले दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) के कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने शुक्रवार को बताया कि दिल्ली-एनसीआर में मेट्रो रेल सेवाओं को फिर से शुरू करने की तारीख अभी तय नहीं हुई है। हमारी तैयारियां पूरी हो गई हैं, हमें बस सरकार के आदेश का इंतजार है। इसका निर्णय सरकार द्वारा लिया जाएगा, जिसके बाद मेट्रो में यात्रा करने के लिए यात्रियों द्वारा लिए जाने वाले अमल में लाए जाने वाले आवश्यक प्रोटोकॉल को मीडिया और जनता के साथ शेयर किया जाएगा।

खुद को आने वाले समय के लिए तैयार कर रही दिल्ली मेट्रो–मेट्रो के दोबारा चलने पर लोगों से ट्रेनों और स्टेशन परिसर पर सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने आदि जैसे महत्वपूर्ण नियमों का पालन कराने के संबंध में काम जारी है। कोरोना वायरस के मद्देनजर दिल्ली मेट्रो 22 मार्च को लगे जनता कर्फ्यू के दिन से ही बंद है। डीएमआरसी ने एक बयान में कहा कि महामारी के मद्देनजर परिसरों को संक्रमण करने और रखरखाव का काम जारी है। डीएमआरसी ने कहा कि सेवाएं शुरू करने से पहले सिग्नल, बिजली, रॉलिंग स्टॉक और पटरी आदि सभी की पूर्ण जांच करनी पड़ेगी।

कोरोना वायरसः ट्रंप ने किया

भारत को वेंटिलेटर देने का ऐलान, मोदी को बताया दोस्त

> ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा कि इस साल के अंत तक कोविड-19 का टीका विकसित होने की संभावना है। उन्होंने कहा, मैं कुछ ही समय पहले भारत से लौटा हूं और हम भारत के साथ मिल कर काम कर रहे हैं। अमेरिका में भारतीय बहुत बड़ी संख्या में हैं और आप जिन लोगों के बारे में बात कर रहे हैं उनमे से कई लोग टीका विकसित करने में जुटे हुए हैं।

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार (15 मई) को कहा कि अमेरिका कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़ा है। इसके साथ ही उन्होंने भारत को वेंटिलेटर देने का ऐलान किया। उन्होंने कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि भारत में अपने दोस्तों के लिए अमेरिका वेंटिलेटर दान करेगा। वहीं, भारतीय-अमेरिकी को महान वैज्ञानिक और अनुसंधानकर्ता बताते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि भारत और अमेरिका साथ मिल कर कोविड-19 का टीका विकसित करने में जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि हम (भारत और अमेरिका) साथ मिलकर इस वायरस को हरा देंगे। ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा कि इस साल के अंत तक कोविड-19 का टीका विकसित होने की संभावना है। उन्होंने कहा, मैं कुछ ही समय पहले भारत से लौटा हूं और हम भारत के साथ मिल कर काम कर रहे हैं। अमेरिका

में भारतीय बहुत बड़ी संख्या में हैं और आप जिन लोगों के बारे में बात कर रहे हैं उनमे से कई लोग टीका विकसित करने में जुटे हुए हैं। बेहतरीन वैज्ञानिक और अनुसंधानकर्ता। ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना बहुत अच्छा मित्र बताया। इस बीच, समाचार एजेंसी एपी की खबर के अनुसार, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार (15 मई) को उम्मीद जताई कि इस साल के अंत तक या उससे कुछ समय बाद कोरोना वायरस का टीका बाजार में उपलब्ध हो सकता है। ट्रंप की ओर से वायरस के मामलों के लिए प्रशासन में नियुक्त किए गए एक पूर्व दवा कार्यकारी मोनसेप स्लोई ने कहा कि हमारा प्रयास वर्ष 2020 के अंत तक टीका तैयार करने का है। रोज गार्डन के एक कार्यक्रम में ट्रंप ने कहा कि वह राज्यों को आर्थिक गतिविधियों को दोबारा शुरू करने के साथ ही इसे आगे बढ़ते हुए देखना चाहते हैं।

मुरैना अंचल की अंबा सीट रिजर्व

बाकी चारों सीटों पर घमासान होने की संभावना

मुरैना। कोरोना महामारी के चलने के बावजूद राजनीति अपने चरम पर है मुरैना की पांचों विधानसभा सीट पर कमलनाथ और दिग्विजय सिंह ग्रुप के लोग अपनी-अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं मुरैना अंचल की अंबा सीट रिजर्व है बाकी चारों सीटों पर घमासान होने की संभावना है यहां पांचों सीटों पर कांग्रेस के आयातित उम्मीदवार बीजेपी की ओर से प्रत्याशी रहेंगे वही कांग्रेश इस बार युवा चेहरा ऊपर विश्वास दिखाना चाहती है अंबा से जो कांग्रेसी प्रमुख रूप से अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं उनमें प्रमुख रूप से पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष सुरेश जाटव और ब्रजकिशोर सखवार पूर्व विधायक सत्यप्रकाश सखवार हैं वही दिमनी विधानसभा क्षत्रिय बहुल होने के कारण कांग्रेश किसी ठाकुर पर ही विश्वास जताने के मूड में है वहां से सबसे चर्चित चेहरा जो दो-तीन साल में दिमनी विधानसभा में अपने सामाजिक कार्यों से लोगों के बीच में लोकप्रिय हुए हैं उनमें सबसे ऊपर योगेंद्र सिंह तोमर क्षेत्र की जनता की पहली पसंद है हालांकि रविंद्र सिंह तोमर जो दो बार वहां से विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं उन पर वहां के लोगों का विश्वास खत्म हो चुका है वह भी दावेदारी पेश कर रहे हैं सुमावली एदलसिंह सिंह कंसाना के सामने कांग्रेस किसी कद्दावर क्षत्रिय को उतारने के मूड में है इसमें प्रमुख नाम जो उभर कर आ रहा है वह मानवेंद्र सिंह गांधी का है जबकि वह जौरा विधानसभा से चुनाव लड़ना चाहते हैं मुरैना सीट पर रघुराज कंसाना के सामने कांग्रेस जिला अध्यक्ष राकेश मावई या कमलनाथ के खासम खास दिनेश गुर्जर अपनी अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं जौरा विधानसभा मैं मुकाबला सूबेदार सिंह राजोदा से ही कांग्रेसका होगा कांग्रेश के वहां से जो प्रत्याशी दावा ठोक रहे हैं उनमें उमेद सिंह बना पूर्व विधायक अपने पुराने चेहरे पर ही विश्वास जताना चाहती है इस उपचुनाव कांग्रेश किसी भी कीमत पर चंबल अंचल में सिंधिया जी को पटकन ही देने के मूड में है इसलिए एक-एक सीट पर जीतने वाले चेहरों पर ही दांव लगाएगी।

कोविड-19 की वजह से 80 फीसदी भारतीयों की कमाई घटी, इन राज्यों पर सबसे बुरा असर

नई दिल्ली। कोरोना संकट के कारण हुए लॉकडाउन के दौरान 80 फीसदी से ज्यादा भारतीयों की आमदनी में कमी आई है। साथ ही काफी लोग हैं जिनका बिना सहायता के ज्यादा दिन तक जीना मुश्किल हो जाएगा। यह खुलासा सेंटर फॉर इंडियन इकोनॉमी (सीएमआई) के 27 राज्यों में किए गए एक सर्वे में हुआ है। सर्वे के मुताबिक, देश के 84 फीसदी लोग महज 3801 रुपये तक कमाते हैं, उनकी आमदनी पर बुरा असर पड़ा है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि देश के ग्रामीण क्षेत्रों में रोजी-रोजगार पर सबसे बुरा असर पड़ा है, हालांकि इन क्षेत्रों में कोरोना वायरस का प्रसार काफी कम है। देश की 130 करोड़ आबादी में शामिल बड़ा वर्ग चाहे वे हिंदू परिवार हों या मुस्लिम सबकी कमर टूट गई है।

मामला: औरैया हादसे से औरंगाबाद तक की पूरी दास्तां का

जिंदगी बचाने को घर की ओर दौड़े, रास्ते में मौत से हुआ सामना

नई दिल्ली। कोरोना संकट और लॉकडाउन प्रवासी मजदूरों के लिए काल बन गया है। लॉकडाउन में फंसे प्रवासी मजदूर किसी तरह अपनी जिंदगी बचाने के लिए घरों की ओर लौट रहे हैं, मगर बदनसीबी ऐसी कि काफी संख्या में हादसों का भी शिकार हो रहे हैं। प्रवासी कामगार मजदूरों के सामने बड़ी संकट आन खड़ी हुई है। लॉकडाउन में आमदनी के सारे रास्ते बंद हैं, जिसकी वजह से शहरों में उनका जीना मुश्किल हो गया है। हजारों मजदूर पैदल या फिर किसी तरह ट्रकों में लदकर घरों की ओर लौट रहे हैं। मगर पिछले कुछ दिनों में अलग-अलग सड़क हादसों में बड़ी संख्या में मजदूरों की मौत हुई है। आज यानी शनिवार की सुबह यूपी के औरैया में सड़क हादसे में करीब 24 मजदूरों की जानें चली गईं। तो चलिए जानते हैं अब तक कहां-कहां हादसे हुए हैं और कितने घर उजड़े हैं।

यूपी के औरैया में 24 मजदूरों की मौत-उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में शनिवार तड़के हुए भीषण हादसे में 24 प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई। सभी श्रमिक एक ट्रक और ट्राले में सवार थे। दिल्ली-कानपुर हाइवे पर हुए दर्दनाक हादसे में 36 श्रमिक गंभीर रूप से घायल हैं। औरैया के डीएम अभिषेक सिंह ने बताया कि यह हादसा सुबह तकरीबन साढ़े तीन बजे हुआ। इस हादसे में अब तक 24 लोगों की मौत हुई है। इनमें से ज्यादातर मजदूर बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के रहने वाले थे।

मुजफ्फरनगर हादसे में 6 मजदूरों की मौत-इससे पहले बुधवार की रात को उत्तर प्रदेश के

मुजफ्फरनगर-सहारनपुर हाईवे पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ था। मुजफ्फरनगर हादसे में पंजाब से पैदल बिहार अपने गांव जा रहे 6 मजदूरों को एक तेज रफ्तार बस ने रौंद दिया था। सभी मजदूरों की मौके पर मौत हो गई थी। पुलिस के अनुसार, हादसा बुधवार रात 11:45 बजे हुआ था। पंजाब में काम करने वाले मजदूर देर रात पैदल सहारनपुर से होते हुए मुजफ्फरनगर की ओर जा रहे थे।

बस-ट्रक के टक्कर में 8 मजदूरों की मौत-कोरोना संकट और लॉकडाउन के बीच मध्य प्रदेश के गुना में भीषण सड़क हादसे में 8 मजदूरों की मौत हो गई थी। इस सड़क हादसे में करीब 50 से अधिक मजदूर घायल हो गए थे। यह घटना भी बुधवार की रात की है। ये सभी मजदूर ट्रक में सवार होकर महाराष्ट्र से यूपी की ओर लौट रहे थे। यह हादसा तब हुआ जब जब ट्रक की बस से टक्कर हो गई। ये सभी 8 मृतक उत्तर प्रदेश के रहने वाले थे और महाराष्ट्र से लौट रहे थे।

महाराष्ट्र के औरंगाबाद ट्रेन हादसे में 16 की मौत-महाराष्ट्र के औरंगाबाद में पैदल घर जा रहे 16 मजदूरों उस वक्त हादसे का शिकार हो गए, जब वह आराम करने के लिए रेल की पटरियों पर सो गए थे, तभी मालगाड़ी ने उन्हें कुचल दिया। औरंगाबाद ट्रेन हादसे में 16 मजदूरों की जानें गई थीं। ये सभी सड़क पर पुलिस की डर से रेल पटरियों के सहारे ही मध्य प्रदेश अपने घरों की ओर चल रहे थे, मगर काफी देर चलने के बाद वे सभी रेल की पटरी पर ही आराम करने लगे, तभी नींद आ गई और ट्रेन की चपेट में आने से इनकी मौतें हो गईं।

समस्तीपुर में 2 मजदूरों की मौत, 30 घायल-बिहार के समस्तीपुर जिले के उजियारपुर में मुजफ्फरपुर से प्रवासियों को लेकर कटिहार जा रही बस की ट्रक से टक्कर हो गई। इस हादसे दो बस यात्रियों की मौत हो गई और करीब 30 लोग घायल हो गए थे। हादसे के बाद चालक ट्रक लेकर फरार हो गया।

पुणे से मजदूरों को लेकर उत्तराखंड जा रही बस का ट्रक से टक्कर, 13 घायल

नई दिल्ली। गुरुवार देर मध्य प्रदेश के गुना के राघोगढ़ में बस और ट्रक की टक्कर में 13 मजदूर घायल हो गए हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने और घायलों को अस्पताल में भर्ती करा दिया है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक यह बस महाराष्ट्र के पुणे से मजदूरों को लेकर उत्तराखंड जा रही थी। हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। टक्कर इतना भयानक

था कि मिनी बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। हादसे में घायल मजदूरों को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। पुलिस ने उनसे पूछताछ कर परिजनों को सूचित करने में जुटी हुई है। बताया जा रहा है कि कोरोना लॉकडाउन की वजह से ये सभी मजदूरों को लेकर उत्तराखंड जा रही थी। हालांकि अभी तक ये साफ नहीं हो पाया है कि बस और इन मजदूरों को पास मिला था या नहीं। बता दें कि महाराष्ट्र के पुणे जिले में बुधवार रात से 194 नए मामले आए । इसके बाद बृहस्पतिवार को संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,426 हो गई। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि कोरोना वायरस ने छह और मरीजों की जान ले ली जिसके बाद मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 181 पर पहुंच गया। उन्होंने बताया कि 194 नए मामलों में से, 175 पुणे महानगरपालिका से आए हैं जहां अब 2,985 मामले हो गए हैं। अधिकारी ने बताया कि पुणे से सटे हुए पिंपरी-चिंचवाड से तीन मामले आए हैं, जहां अब कोविड-19 मामलों की संख्या 180 हो गई है।

घर लौट रही प्रवासी मजदूर को होने लगी प्रसव पीड़ा, एसडीएम की गाड़ी में हुई डिलीवरी

इंदौर। कोरोना वायरस लॉकडाउन की वजह से प्रवासी मजदूरों का घर लौटने का सिलसिला जारी है। कोई सुविधा नहीं मिलने पर ये प्रवासी पैदल ही

सड़क-सड़क अपने राज्य और घर के लिए निकल पड़े हैं। ऐसे में इनको बहुत सारी कठिनाइयों का सामना भी करना पड़ रहा है। ऐसा ही कुछ गुरुवार को मध्य प्रदेश के बड़वानी में देखने को मिला है। जहां एक महिला की डिलीवरी एसडीएम की गाड़ी में ही हो गई। दरअसल, बड़वानी में एक प्रवासी महिला मजदूर को अचानक प्रसव पीड़ा होने लगी। जैसे ही प्रसव पीड़ा की खबर वहां मौजूद एसडीएम को लगी उन्होंने बिना एंबुलेंस का इतंजार किए अपनी गाड़ी भेज दी। वहां कुछ डॉक्टर मौजूद थे जो कि दूसरे राज्यों से आ रहे मजदूरों की स्क्रीनिंग कर रहे थे। डॉक्टरों ने महिला को एसडीएम की गाड़ी में बैठाया और अस्पताल के लिए निकल पड़े, लेकिन अस्पताल के गेट पर पहुंचे ही थे कि महिला की डिलीवरी हो गई। इस संबंध में डॉ किशोर मुकाती ने कहा है कि हम गुजरात से आ रहे लोगों की स्क्रीनिंग करने रहे थे, तभी एक महिला को प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। जब उसने गाड़ी में बच्चे को जन्म दिया तब तक हम अस्पताल के गेट पर पहुंच गए थे। बता दें कि कोरोना लॉकडाउन की वजह से भारी संख्या में प्रवासी मजदूर पैदल ही अपने घरों को निकल चुके हैं। सड़क, हाइवे यहां तक की रेल की पटरियों के जरिए मजदूरों अपने घर के लिए चल पड़े हैं। हालांकि, इन मजदूरों को घर तक पहुंचने के लिए सरकार ने श्रमिक स्पेशल ट्रेन चला रही है।

गुजरात से उत्तरप्रदेश जा रहे मजदूर की ट्रक में तबीयत बिगड़ी, देर रात इलाज के दौरान मौत,

शिवपुरी. जिला अस्पताल में मजदूर की इलाज के दौरान मौत हो गई है। युवक को शनिवार शाम बेहोशी में उसका मुस्लिम दोस्त अस्पताल लेकर पहुंचा था। युवक की गंभीर हालत देखते हुए डॉक्टरों ने उसे तुरंत उसे वेंटीलेटर पर रखा गया था। मजदूर अमृत (24) पुत्र रामचरण सूरत गुजरात से उत्तरप्रदेश के बस्ती जिले के गांव बंदी बलास जा रहा था। अस्पताल की जानकारी के बाद पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचित कर दिया है। कोरोनावायरस के सैंपल लेने के बाद शव को शवगृह में रखवा दिया गया है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार देर शाम गुजरात के सूरत से उत्तर प्रदेश के बस्ती जिला जाने के लिए ट्रक से लौट रहे मजदूर युवक की हालत अचानक बिगड़ गई थी। ट्रक में बैठीं दूसरी सवारियों ने विरोध कर युवक को सड़क किनारे उतरवा दिया। लेकिन अमृत के दोस्त मोहम्मद कय्यूब ने उसका साथ नहीं छोड़ा और वो भी रास्त में ही उतर गया। कय्यूब अमृत का सिर गोदी में रख सड़क किनारे बैठ गया और लोगों से मदद की गुहार लगाने लगा। हाईवे से गुजर रहे लोगों ने उसको रोता देख एम्बुलेंस बुलाई और दोनों को अस्पताल भेजा।

कोरोना वायरस: भोपाल के कब्रिस्तान में हर वक्त खुदी रहती हैं 10 कब्रें

भोपाल। कोरोना वायरस वैश्विक महामारी का प्रकोप बढ़ने के मद्देनजर मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के एक प्रमुख कब्रिस्तान में कम से कम दस कब्रें हर वक्त उपयोग के लिए तैयार रखी जा रही हैं। भोपाल में अब तक कोरोना वायरस संक्रमण को 900 मामले सामने आए हैं, जिनमें से 35 लोगों की मौत हो चुकी है। भोपाल शहर में कोविड-19 से सबसे बुरी तरह प्रभावित होने वाले जहांगीराबाद में झाड़ा कब्रिस्तान में यह व्यवस्था की गई है। इस कब्रिस्तान की प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रेहान गोल्डन ने शुक्रवार को पीटीआई-भाषा से कहा, हम झाड़ा कब्रिस्तान में कम से कम दस कब्रें हर वक्त इस्तेमाल के लिए तैयार रखते हैं, क्योंकि अस्पतालों से शव कभी भी यहां आ रहे हैं। हमें नहीं पता मरने वाले लोग कोविड-19 संक्रमित हैं या नहीं।

कब्रों को उपयोग के लिए तैयार रखने का कारण पूछने पर उन्होंने कहा, एक कब्र खोदने में लगभग 4-5 घंटे

लगते हैं। इन परिस्थितियों में हम शवों को दफनाने के लिए लोगों को पांच घंटे तक इंतजार नहीं करा सकते। वह भी तब, जब प्रशासन अस्पताल में मरने वाले लोगों के शवों को घर ले जाने की अनुमति भी नहीं दे रहा। रेहान ने बताया कि झाड़ा कब्रिस्तान में छह अप्रैल से अब तक शहर के विभिन्न अस्पतालों से 38 शव आ चुके हैं। उन्होंने कहा, हम कब्रों को तैयार रखते हैं और शरीयत के अनुसार शव को दफनाने की रस्मों में लगभग आधा घंटा लगता है। उन्होंने बताया कि पांच मई को कब्रिस्तान में एक ही दिन में अलग-अलग अस्पतालों से छह शव आए थे। रेहान ने कहा, हम सभी मामलों में पूरी सावधानी बरतते हैं क्योंकि हमें इस बात की जानकारी नहीं है कि अस्पताल से आने वाला शव कोविड-19 संक्रमित है या नहीं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी के अनुसार बृहस्पतिवार शाम तक भोपाल में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 900 पर पहुंच गयी। इनमें से 35 लोगों की मौत हो गई है। शहर में संक्रमण के मामलों में से 25 प्रतिशत मामले अकेले जहांगीराबाद इलाके से सामने आये हैं। भोपाल में कोरोना वायरस संक्रमण का सबसे पहला मामला 22 मार्च को सामने आया था, जब लंदन से लौटी 25 वर्षीय लड़की में संक्रमण की पुष्टि हुई थी।

मप्र: लॉकडाउन फेज-3 का 13वां दिन / 52 में से 44 जिलों में कोरोना वायरस फैला

भोपाल. कोरोनावायरस का संक्रमण प्रदेश के 52 में से 44 जिलों तक पहुंच गया है। जिन जिलों में कोरोना संक्रमण के मामले पहली बार सामने आ रहे हैं, उनमें मरीजों की टैवल हिस्ट्री है। कोई गुजरात से तो कोई दिल्ली और महाराष्ट्र से आया है। दूसरे प्रदेशों से प्रवासी कामगारों के आने का सिलसिला करीब 10 दिन जारी रह सकता है। जिन जिलों में नए मरीज मिल रहे हैं। वहां अभी सैंपल लेने के पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। जांच का दायरा बढ़ने के साथ ही यहां मरीजों की संख्या भी तेजी से बढ़ने की आशंका है। प्रदेश में शुक्रवार रात तक संक्रमितों की संख्या 4656 पर पहुंच गई। इनमें से इंदौर में 2299, भोपाल 961, उज्जैन 284, जबलपुर 168, बुरहानपुर में 122 मरीज हो चुके हैं। 240 की मौत हुई है और 2399 संक्रमित ठीक हो चुके हैं। राज्य में गुरुवार को सैम्पलिंग का आंकड़ा एक लाख के पार हो गया। यहां अब तक 1 लाख 273 लोगों की जांच की जा चुकी है। इनमें से 93 हजार 894 लोगों की रिपोर्ट आ चुकी हैं। लगभग 4 हजार सैंपल रिजेक्ट हुए हैं। बाकी सैंपल की रिपोर्ट आना बाकी है।

भोपाल में सबसे ज्यादा सैम्पलिंग हुई-भोपाल में अब तक 32 हजार 439 सैम्पल लिए गए हैं। इंदौर में यह संख्या 22 हजार 694 पहुंच गई है। प्रति एक लाख आबादी पर प्रदेश में 103.8 लोगों की सैंपलिंग की गई है। भोपाल में प्रति एक लाख पर 968 और इंदौर में 462.5 लोगों की सैंपलिंग हुई है। भोपाल के 200 से ज्यादा कंटेनमेंट एरिया में हेल्थ सर्वे, स्क्रीनिंग और सैंपलिंग का टाइम-टेबल बदल दिया गया है। अब यहां कंटेनमेंट एरिया में हेल्थ सर्वे और स्क्रीनिंग सुबह किया जा रहा है। जबकि कोरोना संदिग्धों की सैंपलिंग शाम को होगी। गर्मी के कारण स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं तबीयत बिगड़ने के कारण यह फैसला किया गया है। भोपाल-विदिशा हाईवे पर सुबह से शाम तक प्रवासियों को गुजरते देखा जा सकता है। महाराष्ट्र से चले ये लोग

यूपी और बिहार जा रहे हैं। मल्हारगंज थाने के ठीक पास महंत कॉम्प्लेक्स में शुक्रवार को 21 पॉजिटिव मिले। पहले इसी इमारत में 10 संक्रमित मिले थे। यहां कुल 340 लोग रहते हैं। उधर, न्यू पलासिया इलाके में 40 सदस्यों वाले एक जैन परिवार में एक व्यक्ति की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। परदेशीपुरा थाना क्षेत्र के बिजासन नगर में 7 लोग और कुम्हारखाड़ी में भी 5 मरीज मिले हैं।

बिहार के मजदूरों ने जबलपुर में पहले फूड वेंडिंग मशीन तोड़ी, फिर लूट ले गए खाने-पीने का सामान

भोपाल. श्रमिक स्पेशल ट्रेन से बिहार जा रहे मजदूरों ने जबलपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 4-5

पर पहले फूड वेंडिंग मशीन तोड़ी, फिर उसमें रखा खाने-पीने का सामान लूट ले गए। घटना दो गुरुवार शाम की बताई जा रही है। इसका वीडियो आज वायरल हो रहा है। शिकायत के बाद फिलहाल जीआरपी ने मामला दर्ज नहीं किया है। जानकारी के अनुसार बेंगलुरु से हाजीपुर जाने वाली गाड़ी संख्या 061×9 को ऋ में बदलाव के लिए जबलपुर स्टेशन पर कुछ समय के लिए रोका गया था। इसी बीच जैसे ही गाड़ी रुकी तो उसमें सवार सैकड़ों की तादाद में मजदूर खाने-पीने की सामग्री के बंटने का इंतजार कर रहे थे। काफी देर तक उन्हें खाने-पीने की चीजें उपलब्ध नहीं हुई तो उन्होंने स्टेशन पर लगे फूड वेंडिंग मशीन पर धावा बोला और उसे तोड़कर खाने पीने की चीजों को लूट लिया। घटना की जानकारी लगने के बाद पुलिस से लेकर आरपीएफ के जवान मौके पर तो पहुंचे लेकिन तब तक ट्रेन आगे बढ़ चुकी थी। फिलहाल रेल महकमा इस घटना पर नरम रुख अख्तियार कर रहा है। रेलवे के अधिकारियों का कहना है कि ट्रेन में सवार श्रमिकों की हालत को देखते हुए फिलहाल किसी प्रकार का आपराधिक मामला नहीं बनाया गया है।

ट्रम्प ने लांच किया अमेरिकी स्पेस फोर्स का झंडा, आवाज से पांच गुना तेज हाइपरसोनिक हथियार भी बनाए जा रहे

वॉशिंगटन. अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपनी स्पेस फोर्स का झंडा लांच किया है। स्पेस फोर्स अमेरिकी ऑर्म्ड फोर्सेस की छठी और सबसे नई विंग है। ट्रम्प ने शुक्रवार को ओवल ऑफिस में एक समारोह में कहा कि स्पेस हमारा भविष्य है, इसकी सुरक्षा जरूरी है, यहां कुछ भी हो सकता है। इसके चलते स्पेस फोर्स यहां निगरानी रखेगी और अंतरिक्ष जगत में देश का दबदबा बढ़ाएगी।

इस तरह का है झंडा-अमेरिकी स्पेस फोर्स का झंडा गहरे नीले रंग का है। स्पेस फोर्स का सिग्नेचर डेल्टा विंग का निशान बीच में बना हुआ है। इसके साथ ही एक ऑर्बिट बनाया गया है और आसपास तीन बड़े स्टार है। शिन्हुआ न्यूज एजेंसी के अनुसार यह झंडा ओवल ऑफिस में सेना की अन्य विंग के झंडो के साथ ही लगाया जाएगा।

दिसंबर 2019 में हुआ था गठन-अमेरिका की स्पेस फोर्स का आधिकारिक तौर पर दिसंबर 2019 में स्वतंत्र मिलिट्री सर्विस के तौर पर गठन किया गया था। व्हाइट हाउस की ओर से शुक्रवार को जारी एक घोषणा के अनुसार लगभग 16 हजार कर्मचारी इसमें शामिल हैं। इसमें मिलिट्री के जवानों और आम नागरिकों की भी भर्ती की गई है।

हाइपरसोनिक हथियार भी बन रहे-अमेरिका हाइपरसोनिक हथियार बनाने में जुटा है। स्पेस फोर्स के झंडे की लांचिंग के दौरान ट्रम्प ने यह भी कहा कि अमेरिका अभी अविश्वसनीय मिलिट्री एक्विपमेंट बना रहा है। उन्होंने कहा, ''मैं इसे सुपर डुपर मिसाइल कहता हूं, हमारे पास अभी जो मिसाइले मौजूद हैं ये उससे 17 गुना तेज हैं।'' अमेरिका के रक्षा मंत्रालय के प्रेस सेक्रेटरी जोनाथन हॉफमैन ने भी इसे ट्वीट किया है। अमेरिका के डिफेंस काट्रैक्टर रेथियॉन टेक्नोलॉजीस के अनुसार हाइपरसोनिक हथियार की स्पीड आवाज से भी पांच गुना तेज होगी।

ब्रिटेन में डॉग्स की मदद से संक्रमित लोगों की पहचान होगी

ट्रायल में लेब्राडोर और कॉकर स्पेनियल की ट्रेनिंग शुरू

लंदन. ब्रिटेन में इस संभावना को हकीकत बनाने के लिए ट्रायल शुरू हो गया है कि क्या स्निफर डॉग्स कोरोना वायरस से पीड़ित लोगों को पहचान सकते हैं? बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटेन के स्पेशलिस्ट मेडिकल स्निफर डॉग्स इस काम के लिए उपयुक्त बताए गए हैं। इस ट्रायल को सरकार की तरफ से करीब 5 करोड़ रुपए की फंडिंग मिली है। यहां के विशेषज्ञों का मानना है कि कुत्तों के अंदर सूंघने की तीव्र और खास क्षमता होती है और वे सार्वजनिक स्थानों पर कोरोना से संक्रमित लोगों को पहचान सकते हैं। दुनिया के कई देशों में इस तरह के स्निफर डॉग्स को कैंसर, मलेरिया और पार्किंसन जैसी बीमारियों से पीड़ितों की पहचान करने और उनकी मदद करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

लैब्राडोर और कॉकर स्पेनियल प्रजाति चुनी-इस ट्रायल में यह भी पता लगाया जाएगा कि क्या लैब्राडोर और कॉकर स्पेनियल प्रजाति के डॉग्स को कोविड-19 संक्रमितों की गंध सूंघने में सक्षम बनाया जा सकता है। साथ में, इस बात की भी खोज की जाएगी यह क्या यह डॉग्स लक्षण दिखने से पहले ही इंसान में वायरस का पता लगा सकते हैं। इस तरह का पहला ट्रायल लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन में शुरू हुआ है और इसके लिए मेडिकल डिटेक्शन डॉग्स और डरहम यूनिवर्सिटी की मदद ली जा रही है।

एक डॉग हर घंटे में 22 स्क्रीनिंग कर सकता है-ब्रिटेन के मंत्री लॉर्ड बेथेल ने कहा कि यह ट्रायल सरकार की ओर से अपनी टेस्टिंग स्ट्रेटजी को तेज करने की कोशिश का एक हिस्सा है। उन्हें उम्मीद है है कि ये डॉग्स मशीन की तुलना में ज्यादा तेजी से नतीजे दे सकते हैं। एक बायो डिटेक्शन डॉग हर घंटे में करीब 22 लोगों को स्क्रीन कर सकते हैं और इसीलिए उन्हें भी भविष्य में कोविड-19 संक्रमितों की पहचान के काम में लगाया जाएगा।

पहले फेज में गंध के नमूने और डॉग ट्रेनिंग-पहले फेज के ट्रायल में एनएचएस स्टाफ लंदन के अस्पतालों में ऐसे लोगों की गंध के नमूने लेगा जो कोरोना वायरस से संक्रमित हैं और ऐसे लोगों की भी गंध के नमूने जमा किए जाएंगे जो अभी तक बचे हुए हैं। इसके बाद इन दो प्रजातियों के 6 डॉग्स को सैंपल से सूंघ कर वायरस की पहचान करने की ट्रेनिंग दी जाएगी

10 साल की रिसर्च में डॉग की क्षमता पता चली-इस काम में सहयागी द मेडिकल डिटेक्शन डॉग्स की को फाउंडर और चीफ एग्जीक्यूटिव डॉक्टर क्लैरी गेस्ट का कहना है कि, हम इस बात को लेकर काफी उम्मीद से भरे हैं कि डॉग्स कोविड-19 संक्रमितों की पहचान सूंघ कर कर सकते हैं। बीते 10 साल की रिसर्च से सामने आया है प्रशिक्षित मेडिकल डिटेक्शन डॉग्स ठीक उसी तरह बीमारी की गंध सूंघ कर उसी तरह पहचान सकते हैं, जैसे कि दो ओलंपिक साइज के स्विमिंग पूल पानी से भरे हों और उसके अंदर किसी ने एक चम्मच चीनी घोल दी हो और उसका पता लगाना हो।

दूसरे फेज में ग्राउंड जीरो पर उतारेंगे-लंदन स्कूल ऑफ़ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन के प्रोफेसर जैम्स लोगन ने बताया कि, हमारे अनुभव से यह पता चला है कि मलेरिया से पीड़ित लोगों में एक विशेष प्रकार की गंध आती है और मेडिकल डिटेक्शन डॉग्स उसे सूंघ सकते हैं। हमने इसी के आधार पर डॉग्स को मलेरिया रोगियों का पता लगाने के लिए सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया था। इस अनुभव और इस नई जानकारियों के आधार पर कहा जा सकता है कि फेफड़ों से संबंधित बीमारियों में भी शरीर से एक खास किस्म की गंध आती है। हमें उम्मीद है की मेडिकल डॉग्स कोविड-19 संक्रमित की पहचान कर सकते हैं। अगर पहले ट्रायल में डॉग्स अच्छे नतीजे देते हैं तो फिर उन्हें दूसरी फेस में ले जाया जाएगा जहां उन्हें सचमुच ग्राउंड जीरो पर उतारा जाएगा और वे लोगों की पहचान करेंगे। इसके बाद हमारी योजना है कि हम अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर इन डॉग्स को सचमुच मोर्चे पर उतार सकें।

कोरोना और लॉकडाउन के चलते बच्चों में तनाव बढ़ रहा है इससे उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को खतरा

स्टेसी स्टाइनबर्ग. कोरोनावायरस से लड़ने के लिए इस समय दुनियाभर के तमाम देशों में लॉकडाउन चल रहा है। लोग अपने घरों में बंद हैं। हर घर में बस कोरोनावायरस को लेकर ही बातें हो रही हैं। ऐसे में बच्चों के मन में नकारात्मक विचार आना स्वाभाविक है। धीरे-धीरे यह तनाव गहरे अवसाद का रूप ले सकता है। बच्चे अलग-अलग तरह की एक्टिविटीज करने लगते हैं। इसे आमतौर पर पैरेंट्स समझ नहीं पाते हैं।

तनाव के चलते हार्मोन में बदलाव होता है-कैलिफोर्निया के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. नादिन बर्क हैरिस कहते हैं कि तनाव के चलते हार्मोन में बदलाव होता है। कुछ बच्चों में डेली रूटीन में बदलाव के चलते भी इसका असर देखा जा रहा है। लेकिन कुछ मामलों में तनावपूर्ण घटनाओं को देखने और सुनने के कारण बच्चों में तनाव बढ़ रहा है। साथ ही कोई दिनचर्या नहीं है, माता-पिता की नौकरी जा रही है और आर्थिक तंगी ऊपर से है। परिवार के किसी सदस्य के बीमार होने या मौत होने से भी बच्चों को गहरा आघात लगता है।

अब तक 46.40 लाख संक्रमित और 3.08 मौतें

रूस तीसरा सबसे प्रभावित देश, यहां 24 घंटे में 9200 नए मामले सामने आए

वॉशिंगटन. दुनिया में कोरोनावायरस से अब तक 46 लाख 40 हजार 339 लोग संक्रमित हो चुके हैं। 17 लाख 57 हजार 282 ठीक हो चुके हैं। मौतों का आंकड़ा 3 लाख 08 हजार 610 हो गया है। इंडोनेशिया में आने वाले यात्रियों को हेल्थ सर्टिफिकेट दिखाना होगा। यह नियम विदेशी नागरिकों के साथ-साथ यहां के नागरिकों पर भी लागू होगा। वहीं, रूस में एक दिन में संक्रमण के 9200 नए मामले मिले हैं। देश में अब तक 2 लाख 72 हजार से ज्यादा मरीज मिल चुके हैं।

अमेरिकी नौसेना के 5 नाविक दोबारा संक्रमित मिले-अमेरिकी नौसेना ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि इस सप्ताह यूएसएस थियोडोर रूजवेल्ट के पांच नाविक जो पहले पॉजिटिव मिले थे वे क्वारैंटाइन से आने के बाद दोबारा संक्रमित मिले हैं। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, नाविकों में फ्लू जैसे लक्षण नजर आए हैं। उन्हें शिप से तत्काल आइसोलेशन में भेज दिया गया है। उनके संपर्क में आने वाले लोगों की भी जांच की जा रही है।

अमेरिका-24 घंटे में 1680 मौतें-अमेरिका में 24 घंटे में 1680 लोगों की मौत हो गई। देश में मरने वालों की संख्या 88 हजार से ज्यादा हो चुकी है। वहीं, 14 लाख 84 हजार 285 लोग संक्रमित हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य न्यूयॉर्क में 27 हजार लोगों की जान जा चुकी है, जबकि तीन लाख 56 हजार से ज्यादा संक्रमित हैं। राज्य में 13 जून तक स्टे-ऐट-होम ऑर्डर जारी किया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि हम अपने दोस्त भारत को वेंटिलेटर देंगे। महामारी के दौर में अमेरिका, भारत और नरेंद्र मोदी के साथ खड़ा है। हम कोरोना की वैक्सीन तैयार करने के लिए भी कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहे हैं। दोनों देश मिलकर इस अदृश्य दुश्मन को हराएंगे। ट्रम्प ने कहा- कोरोना का कारगर और प्रभावी टीका विकसित होने पर इसे जनता के लिए निशुल्क उपलब्ध कराने पर विचार किया जाएगा। इस साल के अंत तक टीका विकसित किया जा सकता है। टीका विकसित करने के लिए 'ऑपरेशन वार्प स्पीड' नामक एक नए अभियान की शुरुआत की गई है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, अमेरिका की स्वास्थ्य संस्था सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के निदेशक डॉ. रॉबर्ट रेडफिल्ड ने शुक्रवार को कहा कि देश में 1 जून तक मरने वालों की संख्या 1 लाख से ज्यादा हो जाएगी। सीडीसी ने 12 अलग-अलग मॉडल के अध्ययन के बाद ये बातें कही। फॉक्स न्यूज के मुताबिक, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प डब्ल्यूएचओ को चीन जितना फंडिंग दे सकते हैं। 14 अप्रैल को ट्रम्प ने संगठन पर फर्जीवाड़े का आरोप लगाते हुए फंडिंग रोक दी थी। अमेरिका हर साल सबसे ज्यादा 40 करोड़ डॉलर की फंडिंग करता रहा है।

कोरोना से पूरी दुनिया में तीन लाख से अधिक की मौत

अमेरिका में करीब 86 हजार ने गंवाई जान

नई दिल्ली। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) का प्रकोप निरंतर बढ़ता जा रहा है और अब तक तीन लाख से अधिक लोगों की इसके कारण मौत हो चुकी है तथा इससे संक्रमितों मरीजों की संख्या बढ़कर 45 लाख से ज्यादा हो गई है। इनमें से दो तिहाई सबसे बुरी तरह प्रभावित यूरोप से हैं।अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) द्वारा संकलित आंकड़ों से पता चला है कि शनिवार (16 मई) देर रात करीब 3 बजकर 30 मिनट (भारतीय समयानुसार) तक कुल 306,412 लोगों की इस महामारी से मौत हो चुकी है, जबकि कोरोनो वायरस के संक्रमित मामलों की वैश्विक संख्या 45,23,653 हो गई है, जिनमें से 16,22,417 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं।

भारत प्रभावित देशों में 11वें स्थान पर, अमेरिका में सबसे ज्यादा मौत-भारत में भी कोरोना वायरस का संक्रमण बहुत तेजी से फैल रहा है और यह संक्रमण से सर्वाधिक प्रभावित देशों की सूची में 11वें स्थान के साथ ही वैश्विक महामारी के केंद्र चीन को पीछे छोड़ चुका है। यहां कुल मरीजों की 85,784 है, जबकि इस बीमारी की वजह से अब तक कुल 2753 लोगों ने अपनी जान गंवाई है। सीएसएसई के आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका में कोरोना वायरस से दुनिया में सर्वाधिक लोग संक्रमित हुए हैं तथा यहां 14 लाख से अधिक संक्रमण के मामले सामने आए है। विश्व की महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में 14,39,231 संक्रमित है और 87,204 की मौत हो चुकी है। इनमें से 2,46,414 लोग संक्रमण से ठीक हो चुके हैं।

ट्रंप ने किया भारत को वेंटिलेटर देने का ऐलान, मोदी को बताया अपना दोस्त-रूस में भी कोविड-19 का प्रकोप लगातार तेजी से बढ़ रहा है और यह कोविड-19 के संक्रमण से सबसे अधिक प्रभावित होने वाले देशों की सूची में अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर है। देश में संक्रमितों की संख्या ढाई लाख के आंकड़े को पार कर चुकी है। यहां अब तक 2,62,843 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं और 2,418 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। यूरोप में गंभीर रूप से प्रभावित देश इटली में इस महामारी के कारण अब तक 31,610 लोगों की मौत हुई है और 2,23,885 लोग इससे संक्रमित हुए हैं। स्पेन में कोरोना से 2,30,183 लोग संक्रमित है जबकि 27,459 लोगों की मौत हो चुकी है। इस वैश्विक महामारी के केंद्र चीन में अब तक 84,031 लोग संक्रमित हुए हैं और 4637 लोगों की मृत्यु हुई है। इस वायरस को लेकर तैयार की गई एक रिपोर्ट के मुताबिक चीन में हुई मौत के 80 प्रतिशत मामले 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के थे। यूरोपीय देश फ्रांस और जर्मनी में भी स्थिति काफी खराब है। फ्रांस में पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण का कोई नया मामला सामने नहीं आया है, लेकिन मृतकों की संख्या बढ़ी है। यहां अब तक 1,79,630 लोग संक्रमित हुए हैं और 27,532 लोगों की मौत हो चुकी है। जर्मनी में कोरोना वायरस से 1,75,233 लोग संक्रमित हुए हैं और 7897 लोगों की मौत हुई है।

दबाव चीन ने कहा- चीन और अमेरिका को महामारी के खिलाफ मजबूत सहयोग बनाए रखना चाहिए

ट्रम्प की सभी तरह के संबंध खत्म करने की धमकी के बाद झुका चीन, अमेरिका से समझौते की गुहार लगाई

वॉशिंगटन ■ एजेंसी

चीन ने शुक्रवार को अमेरिका से समझौता करने और कोरोना महामारी के खिलाफ लड़ाई में पूरा सहयोग देने की बात कही है। चीन का यह बयान ट्रम्प की धमकी के बाद आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को कहा था कि वे चीन से सभी रिश्ते खत्म कर सकते हैं। दुनिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की बीच संबंध कुछ हफ्तों में ज्यादा खराब हुए हैं। कोरोना महामारी आने के बाद अमेरिका चीन पर लगातार दुनिया को धोखे में रखने और वुहान की लैब से वायरस निकलने का आरोप लगाता रहा है।

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा, ह्यहमचीन-अमेरिका संबंधों के विकास को बनाए रखना दोनों देशों में लोगों के बुनियादी हितों में है और यह दुनिया में शांति और स्थिरता के लिए भी जरूरी है। वर्तमान में चीन और अमेरिका को महामारी के खिलाफ मजबूत सहयोग बनाए रखना चाहिए। जितनी जल्दी हो सके, मरीजों को ठीक करना चाहिए और इकोनॉमी-प्रोडक्शन को फिर से पटरी पर लाना चाहिए। यह तभी मुमकिन होगा, जब अमेरिका, चीन से समझौता करेगा। ट्रम्प ने गुरुवार को चेतावनी देते हुए कहा था कि अमेरिका, चीन के साथ सभी संबंध खत्म कर सकता है। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में उनसे पूछा गया कि अमेरिका किस तरह से चीन को जवाब देगा तो उन्होंने कहा, हम कई चीजें कर सकते हैं। हम चीन से सभी रिश्ते खत्म कर सकते हैं। उन्होने कहा था कि अगर हम सभी रिश्ते खत्म कर दें तो हम 500 बिलियन डॉलर बचा सकते हैं।

ताइवान: वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन में भाग लेने के लिए चीन की शर्त ठुकराई, कहा- जो है ही नहीं, उसे कैसे मान लें

ताइपेई। ताइवान ने वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन में भाग लेने के चीन की शर्त को ठुकरा दिया है। चीन ने शर्त रखी थी कि ताइवान पहले यह माने की वह चीन का हिस्सा है, तभी वह डब्ल्यूएचओ की मीटिंग में हिस्सा ले सकता है। ताइवान अभी तक डब्ल्यूएचओ का सदस्य नहीं है और वह अगले हफ्ते होने वाली वर्ल्ड हेल्थ असेंबली (वर्ल्ड हेल्थ असैंबली) में पर्यवेक्षक के तौर पर भाग लेने के लिए कोशिश कर रहा है। चीन ने इस पर आपत्ति जताई है, क्योंकि चीन ताइवान को अपना हिस्सा बताता है। चीन का कहना है कि ताइवान केवल वन चाइना पॉलिसी के तहत ही भाग ले सकता है, इसका मतलब यह है कि ताइवान चीन का एक हिस्सा है। चीन के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि ताइवान की सतारूढ़ डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी ने ऐसा करने से इनकार कर दिया और इसलिए ताइवान के पास डब्ल्यूएचओ में भागीदारी लेने का कोई भी पॉलिटिकल आधार मौजूद नहीं है।

संपादकीय

आगे की राह

सेहत की चिंता जितनी जरूरी है, उतनी ही जरूरी है आर्थिक सक्रियता। इसके लिए भारत ही नहीं, बल्कि अन्य देशों की सरकारें भी मन बना रही हैं, तो यह पहल स्वागतयोग्य है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की प्रदेश सरकार को ही लोगों ने पांच लाख से ज्यादा सुझाव दिए हैं, तो अन्य राज्यों को भी निश्चित ही बड़ी संख्या में सुझाव मिले होंगे। यह बहुत जरूरी है कि राज्य सरकारें अपने सजग बहुमत के साथ आगे बढ़ें। जहां तक उद्योगों-कारखानों को खोलने का सवाल है, तो इस पर सरकारें पहले ही सहमत हैं। अब आगे सार्वजनिक परिवहन और बाजारों को खोलने की मांग सबसे बड़ी है। हमारे समाज की ये दोनों जरूरतें बहुत महत्वपूर्ण हैं। सरकारों को अच्छे से पता है, बाजार खोलने का अर्थ है, भारत के विशालकाय रिटेल सेक्टर को खोलना। भारत की जीडीपी का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा इस क्षेत्र से आता है और लगभग चार करोड़ लोगों को इस क्षेत्र से सीधे रोजी-रोटी नसीब होती है। एक अनुमान के अनुसार, इन चार करोड़ लोगों में से बमुश्किल 10 प्रतिशत ही अभी अपने काम में सक्रिय हैं। हालांकि राजस्थान जैसे कुछ राज्यों में अनेक जरूरी रिटेल स्टोर्स को खोल दिया गया है। आश्चर्य नहीं कि लोगों के सुझाव के बाद दिल्ली सरकार भी बाजार को खोलने के पक्ष में दिखती है। बाजार में मांग बढ़ेगी, तो जाहिर है, तमाम तरह की वस्तुओं की मांग बढ़ेगी, कल-कारखाने आपूर्ति के लिए बाध्य होंगे और अर्थव्यवस्था पटरी पर लौटने लगेगी। हालांकि बाजार को खोलने से भी ज्यादा जरूरी है सार्वजनिक परिवहन को मंजूरी देना। इसके चालू होते ही न केवल बाजारों और कल-कारखानों में मजदूरों की उपस्थिति बढ़ेगी, बल्कि जो लोग आज पैदल चलने को मजबूर हैं, उन्हें भी राहत का एहसास होगा। यह समझना कठिन नहीं कि बाजार और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को अगर एक चौथाई भी खोल दिया जाए, तो मजदूरों को अपनी-अपनी जगह रुकने की वजह मिल जाएगी, वे फिर कामकाज में सक्रिय हो जाएंगे। लेकिन सावधान, अर्थव्यवस्था को धीरे-धीरे खोलते जाने की दिशा में बढ़ने की बुनियादी शर्त है फिजिकल डिस्टेंसिंग सुनिश्चित करना। लोगों को साधन, स्थान और परिवेश ऐसा देना होगा कि वे शारीरिक दूरी रख पाएं। सार्वजनिक परिवहन की यथोचित व्यवस्था अगर होती, तो किसी को हजारों किलोमीटर दूर पैदल न चलना पड़ता, पचास-पचास लोगों को एक ही ट्रक में सवार होकर मुंबई से बनारस न आना पड़ता। दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार को व्यवस्थित ढंग से सुझाव दिए हैं, उनका स्वागत है, मगर इन सुझावों के क्रियान्वयन पर ही पूरा दारोमदार टिका है। यह छिपी हुई बात नहीं कि लॉकडाउन को कड़ाई से लागू करने वाली सरकारें मजदूरों की जिंदगी व उनके पलायन के बारे में सोचने में नाकाम रही हैं। अत-लॉकडाउन खोलने से पहले सरकारों को आश्वस्त होना होगा कि समाज और उसकी तकलीफें काबू में हैं। अब काम लायक खुशनुमा दिन अचानक सोलह आना नहीं लौटने वाले। पर हमारी सरकारें जितनी चौकसी और ईमानदारी बरतेंगी, देश की खुशियां भी उतनी ही लौटेंगी। जैसे थूकने के विरुद्ध नियम बनाए जा सकते हैं, ठीक उसी तरह कहीं भी भीड़ को रोकने के लिए भी नियम-कायदे कड़े किए जा सकते हैं। लॉकडाउन में भले ढील मिले, पर ऐसे अनुशासन हमारे विचार-व्यवहार में जितनी जल्दी घुल-मिल जाएं, उतना अच्छा।

मलिन बस्तियों की दुविधा

रिजवान अंसारी

मलिन बस्तियां बसने के पीछे गरीबी सबसे बड़ा कारक है। इसलिए सबसे पहले इस समस्या पर ध्यान केंद्रित कर नीति बनाने की जरूरत है। शहरी गरीबी दूर करने के लिए बेरोजगारी की समस्या पर सरकार को संजीदगी से प्रयास करना होगा। मौजूदा वक्त में रोजगार की दयनीय स्थिति से इनका संकट और भी विकराल होता जाएगा। एशिया की सबसे बड़ी मलिन बस्ती धारावी में कोरोना संक्रमितों की संख्या लगातार बढ़ रही है। अब तक कई लोगों की मृत्यु हो चुकी है। करीब 240 हेक्टेयर में फैली यहां की झुग्गियों में लगभग साढ़े आठ लाख लोग रहते हैं और जनघनत्व छियासठ हजार प्रति वर्ग किलोमीटर है। लिहाजा, ऐसे समय में जब देश भर में तालाबंदी और सामाजिक दूरी की हिदायत दी जा रही है, तब मुंबई की इस मलिन बस्ती में यह सब मुमकिन नहीं हो पा रहा है।

इसकी वजह है यहां जगह और आधारभूत सुविधाओं की भारी कमी। आबादी की यह सघनता और समस्या सिर्फ इसी बस्ती की नहीं, बल्कि देश की अमूमन हर झुग्गी बस्ती की है। दिल्ली की झुग्गी बस्तियों में भी यही दिक्कतें पेश आ रहीं हैं। यही कारण है कि भारत की झुग्गी-झोपड़ियों की समस्या एक बार फिर से बहस के केंद्र में है। दरअसल, भारत की मलिन बस्तियों में स्थितियां विकट हैं। भारत की 17.4 फीसद शहरी आबादी झुग्गी-झोपड़ी में निवास करती है। 2012 में नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस के एक सर्वे में पता चला कि भारत के शहरों में कुल तैंतीस हजार पांच सौ दस झुग्गियां हैं। इनमें से लगभग इकतालीस फीसद अधिसूचित थीं और उनसठ फीसद गैर-अधिसूचित। सर्वे के मुताबिक अट्ठासी लाख परिवार इन शहरी मलिन बस्तियों में गुजर-बसर करता है। अखिल भारतीय स्तर पर एक मलिन बस्ती में औसतन 263 घरों के होने की बात कही गई है। संयुक्त राष्ट्र की एक नवीनतम रिपोर्ट के मुताबिक मौजूदा वक्त में दुनिया की आधी आबादी शहरों में रहने लगी है और वर्ष 2050 तक भारत की आधी आबादी महानगरों और शहरों में रहने लगेगी।

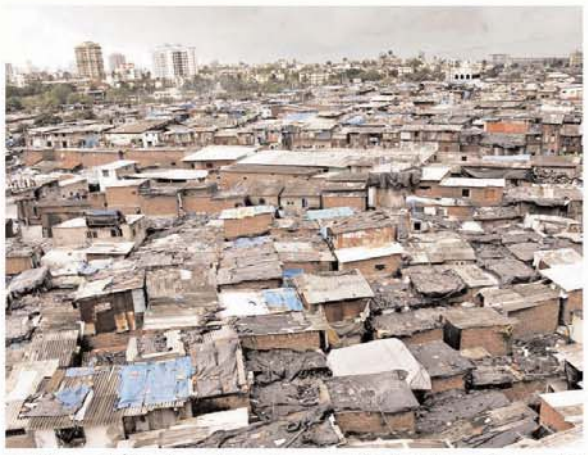

जाहिर है, यह स्थिति और विकराल होने वाली है, लेकिन इन सबके बावजूद ऐसी बस्तियां लगातार बस रहीं हैं। दरअसल, सस्ते और पर्याप्त आवास का विकल्प न होना मलिन बस्तियों की बसावट का बड़ा कारण है। बड़े शहरों में कमजोर तबके के लोग सस्ते आवास की तलाश में रहते हैं। पर ऐसे आवासों की अपर्याप्तता के कारण वे ऐसी मलिन बस्तियों में रहने को मजबूर होते हैं और यहीं से शहरों में झुग्गी-झोपड़ियों को प्रोत्साहन मिलता है। ये वे लोग हैं, जिनकी आर्थिक स्थिति बेहद खराब होती है। अमूमन ये मजदूर वर्ग के लोग हैं, जिनके पास रोजगार का कोई ठोस विकल्प नहीं होता। लिहाजा, रोजगार सुनिश्चित न होने से इनके पास आर्थिक तंगी होती है, फिर यहीं से इनकी समस्याएं शुरू होती हैं। शहरों की मलिन बस्तियों में झुग्गी पुनर्विकास योजना लागू की जाती है, लेकिन यह सफल नहीं हो पाती। इसकी वजह है कि पुनर्वासित लोग अपने आवंटित आवास को बेच या किराए पर लगा कर फिर से झुग्गियों में आवास की तलाश करते हैं, ताकि वे कुछ पैसे कमा सकें। मलिन बस्तियां ग्रामीण गरीबों को शहरी जीवन की ओर आकर्षित करती हैं। यही आकर्षण बढ़ते प्रवासन का एक महत्त्वपूर्ण कारक भी है। यह आकर्षण शहरी जीवन में आने वाली कठिनाइयों से आंशिक रूप से लोगों को अंधा कर देता है। झुग्गी क्षेत्रों में रहने वाले लोग अमूमन टाइफाइड, हैजा, कैंसर और एड्स जैसे रोगों से पीड़ित होते हैं। यहां भीख और बाल तस्करी जैसी सामाजिक बुराइयों का शिकार होने का खतरा हमेशा बना रहता है।

मलिन बस्तियों को आमतौर पर ऐसी जगह के तौर पर देखा जाता है, जहां अपराध की दर ज्यादा होती है और यह सब झुग्गी क्षेत्रों में शिक्षा, कानून-व्यवस्था तथा सरकारी सेवाओं की उपेक्षा के कारण होता है। फिर, अधिकांश झुग्गी-झोपड़ी वाले लोग अनौपचारिक क्षेत्र से अपना जीवनयापन करते हैं। ऐसे में उन्हें न तो वित्तीय सुरक्षा मिलती है और न ही सभ्य जीवनयापन के लिए पर्याप्त कमाई। लिहाजा, गरीबी के दुष्चक्र में फंस जाने के कारण वे भूख, कुपोषण, उच्च शिशु मृत्यु दर, बाल विवाह, बाल श्रम जैसी सामाजिक समस्याओं से हमेशा दो-चार होते रहते हैं। मलिन बस्तियों के विकास और वहां रहने वालों को आवास मुहैया कराने के लिए सरकार हमेशा प्रयासरत रही है, लेकिन गांवों से शहरों की तरफ पलायन में वृद्धि के कारण मलिन बस्तियों का पूर्ण उन्मूलन नहीं हो सका है। मलिन बस्तियों के पूर्ण उन्मूलन के उद्देश्य से स्लम क्षेत्र (पुनर्वास) कानून-1956 बना था। 1996 में राष्ट्रीय मलिन बस्ती विकास कार्यक्रम की शुरूआत हुई। इस योजना के अंतर्गत राज्यों को ऋण और सब्सिडी मुहैया कराई जाती है। 2022 तक लाभार्थियों को आवास मुहैया कराने के मकसद से 2015 में प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना शुरू हुई। इसके लिए अधिकृत एजेंसियों के जरिए राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को केंद्रीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। लेकिन, विडंबना है कि इन तमाम कवायदों के बावजूद शहरों से मलिन बस्तियों का उन्मूलन अब तक संभव नहीं हो सका है।

मलिन बस्तियां बसने के पीछे गरीबी सबसे बड़ा कारक है। इसलिए सबसे पहले इस समस्या पर ध्यान केंद्रित कर नीति बनाने की जरूरत है। शहरी गरीबी दूर करने के लिए बेरोजगारी की समस्या पर सरकार को संजीदगी से प्रयास करना होगा। मौजूदा वक्त में रोजगार की दयनीय स्थिति से इनका संकट और भी विकराल होता जाएगा। शहरी गरीबों की आजीविका का समर्थन कर शहरी अनौपचारिक क्षेत्रों की गतिविधियों को विकसित करने के लिए भविष्य की नीतियों की आवश्यकता है। स्लम नीतियों को व्यापक और शहरी गरीबी को कम करने जैसी नीतियों के भीतर एकीकृत किया जाना चाहिए, ताकि गरीबी के विभिन्न आयामों की पहचान हो सके। दरअसल, सरकार का लक्ष्य केवल झुग्गी वासियों के लिए घर बनाना न हो, बल्कि लोगों के लिए आजीविका विकल्प और सामाजिक-आर्थिक बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देना होना चाहिए। ऐसी भौगोलिक पहुंच बनाने की जरूरत है कि एक गरीब व्यक्ति आसानी से नौकरी तलाश सके।

हालांकि, झुग्गी की समस्या के त्वरित समाधान के तौर पर किराए पर आवास के विकल्प पर सोचा जाना चाहिए। इस समय इस समस्या के समाधान के लिए किराए पर आवास की व्यवस्था एक बेहतर और पूरक समाधान साबित हो सकता है। किराए के मकान का सबसे महत्त्वपूर्ण पहलू यह है कि यह अस्थायी प्रवासन की समस्या को अधिक गंभीर नहीं होने देता। खासकर ऐसे लोगों के लिए यह बेहद कारगर है, जो न स्थायी संपत्ति में निवेश करना चाहते हैं और न अचल संपत्ति का निर्माण।

किराए के मकान का एक पक्ष यह भी है यह आवासों के निर्माण के लिए जमीन की जरूरत को भी कम करता है। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र और ओड़ीशा जैसे कुछ राज्यों में किराए पर मकान लेने के संबंध में घरेलू नीतियां लागू की गई हैं। इसके तहत आंतरिक प्रवासियों के लिए कम लागत वाले साझा फ्लैट्स उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है।

दरअसल, किसी भी नीति के निर्माण से पहले विभिन्न अध्ययनों के आधार पर पर्याप्त आंकड़े जुटाने की जरूरत है, ताकि सभी पहलुओं पर विचार हो सके। सफल और सस्ती झुग्गी के लिए पूर्व शर्त के रूप में शहर के बुनियादी ढांचे में निवेश की भी जरूरत है, जो झुग्गी निवासियों को सामाजिक-आर्थिक बहिष्कार से बचाने के लिए एक मजबूत तंत्र के रूप में कार्य कर सकता है। ऐसे कदम उठाए जाएं कि बेहतर नौकरियों में अपने रोजगार के जरिए झुग्गीवासियों के लिए एक उच्च और अधिक स्थिर आय सुनिश्चित हो सके। शहरों में रोजगार के अच्छे अवसर से मलिन बस्तियों में एक स्वस्थ और स्थायी जीवन-शैली मुमकिन हो सकती है। समझने की जरूरत है कि विकासशील झुग्गियों में भी स्थानीय आर्थिक विकास को गति मिलती है, शहरी गतिशीलता और संचार में सुधार होता है तथा मलिन बस्तियां एकीकृत होती हैं और यह आर्थिक रूप से बेहद लाभदायक है।

पत्रकार ने लिखी पत्रकारों के लिए कविता

देश भर में लोग अन्य समस्याओं को लेकर लेख व कबिताएँ अवश्य लिखते हैं परंतु जो मीडियाकर्मी दिन-रात एक कर जनता को घर बैठे घर छोटी से छोटी व बड़ी से बड़ी खबरों से रुबरु कराने का कार्य करते हैं उनके लिये शायद ही कभी कोई लिखता है।जबकि पत्रकारिता समाज को दिशा देने का काम करती है।इसके कारण इसकी भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।समाज में आई गिरावट का प्रभाव पत्रकारिता पर भी पड़ा है इसके बावजूद अभी भी हमारे तमाम पत्रकार साथी मीडियाकर्मी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद पत्रकारिता को गौरान्वित कर सार्थकता प्रदान कर रहें है।आजकल पत्रकारिता पत्रकार के विवेक पर नही बल्कि सम्पादक की इच्छा पर तथा सम्पादक की इच्छा सरकार की इच्छा पर आधरित होती जा रही है इस समय कुछ लोग पत्रकारों की बुद्धि का अपने हित में दोहन करने लगे हैं।लोकतंत्र में पत्रकार और पत्रकारिता दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है,पत्रकार और पत्रकारिता लोकतंत्र से जुड़ी विधायिका कार्यपालिका और न्यायपालिका को निरंकुश होने से बचाती है पत्रकार और पत्रकारिता समाज और सरकार के बीच एक ऐसा दोहरा आइना माना जाता है जिसमें सरकार और समाज दोनों अपना अपना स्वरूप देखकर उसमें सुधार कर सकते हैं।पत्रकार और पत्रकारिता दोनों निंदक और प्रसंशक दोनों भूमिकाएं एक साथ निभाकर समाज और सरकार दोनों को सजग एवं जागरूक करती है।पत्रकार और पत्रकारिता को समाज के दबे कुचले बेजुबान लोगों की जुबान माना जाता है और अन्याय उत्पीड़न के विरुद्ध आवाज बुलंद करने का एक सशक्त माध्यम माना गया है,पत्रकारिता और पत्रकार का इतिहास बहुत पुराना और सभी युगों में रहा है तथा नारद जी को आदि पत्रकार भी कहा जाता है,पत्रकारिता व्यवसाय नहीं बल्कि एक समाजसेवा और ईश्वरीय कार्य करने का सशक्त माध्यम मानी गयी है पत्रकार और पत्रकारिता समाज और सरकार की तस्वीर प्रस्तुत करके वास्तविकता से परिचय कराती है पत्रकारिता के हर क्षेत्र में पत्रकार की भूमिका निभाना आजकल दुश्वार हो रहा है क्योंकि पत्रकारिता के हर क्षेत्र में समाजद्रोही अराजकतत्व भ्रष्ट सभी पत्रकारों को अपना दुश्मन मानने लगे हैं क्योंकि हर क्षेत्र में पत्रकारिता लोकतंत्र की प्रहरी बनी हुयी है।पत्रकारिता हमेशा प्रभावशाली व जिम्मेदारी युक्त होनी चाहिए।गुटों में बंटकर हम अपनी ताकत बांट रहे हैं जो भविष्य में हमारे लिए घातक साबित हो सकती है,आज निष्पक्ष पत्रकारिता के चलते हम पत्रकार मिडियकर्मियो की जान पर बन आती है तब सभी साथ छोड़कर चले जाते हैं इसके बावजूद हमारे तमाम पत्रकार साथी अपने कर्तव्यों की इतिश्री यथावत करते आ रहे हैं यह बात अलग है कि इस कर्तव्य पालन में जरा सी चूक होने पर जान चली जाती है।इधर आये दिन पत्रकारों पर जानलेवा हमलों का दौर शुरू हो गया है जो सरकार के लिए शर्म की बात है आये दिन पत्रकारो की निर्मम हत्या से एक बार फिर पत्रकारिता पर काले बादल मंडराने लगे हैं।वहीं सरकार पत्रकारों की हो रही हत्याओं से जरा भी चिंतित नही लगती है वरना् हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए प्रदेश भर में पत्रकारों के आंदोलन करने की नौबत नही आती। लोकतंत्र के तीन स्तंभ विधायिका, न्यायपालिका कार्यपालिका मे भ्रष्ट होने पर अगर भ्रष्टाचारियो को किसी का डर है तो वह पत्रकार और पत्रकारिता से होता है यहीं कारण है कि पत्रकार के हित की सिर्फ बात की जाती है उसे अमलीजामा नहीं पहनाया जाता है,धीरे धीरे पत्रकार को जरखरीद गुलाम बनाने की परम्परा की शुरुआत हो गयी है जिससे पत्रकारिता खतरे में पड़कर बदनाम होने लगी है।पर अब वक्त है एक क्रांति लाने का जो हम एक साथ मिलकर ही ला सकते हैं इसलिए एकजुट रहें।यह बात मप्र के युवा पत्रकार अर्पित गुप्ता ने कही वहीं उन्होने अपनी लिखी कविता में सभी को पत्रकारों की देशहित में अहमियत बताई है।यहां बता दें कि अर्पित गुप्ता एक युवा पत्रकार है जो प्रिंट मीडिया व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में पत्रकार हैं साथ ही कुछ प्रिंटमीडिया व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की संस्थाओ में बड़े पद पर भी कार्यरत है वह पत्रकारिता के साथ साथ लेखक भी है और लिखने का बखूबी हुनर भी रखते हैं।

चौथा स्तम्भ

धूप में छांव में हम बरसात में भी खड़े रहते हैं,
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।
भूख प्यास को भूलकर हम
सबको दिन रात दुनिया का हाल बताते हैं,
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।
घर परिवार से आगे हम पहले जनहित को लाते है,
दुनिया मे पहने झूठे मुखौटों को हम हटाते हैं
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।
घर परिवार की छोड़ चिंता दिन रात खबरों में दिन निकालते हैं
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।
देशहित में उठा कर मुद्दा हम खबरों को बनाते हैं
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।
राजनीति लिखते है रणनीति बन जाती है
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।
सच को परोसते है हम कभी अखबारों-समाचारों में तो
चौराहे पर कुचले जाते हैं
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।
देश मे चल रही हवा का रुख बताते हैं
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।
समाजसेवा से लेकर राजनीति और हर गरीब की भूख बताते हैं
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।

गलत राह पर चल रहे को हम रास्ता दिखाते हैं
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।
राष्ट्र की प्रगति में पत्रकार ज्यादा प्रभावशाली कहलाते हैं
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।
कभी संवेदना,कभी दर्द तो कभी सच लिखते हैं
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।
शोषित होते हैं कई बार तो उलझने-मुशिबतें भी झेलते हैं
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।
कभी खाने की खबर तो कभी सुंदरता बटोरते हैं
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।
कभी आंदोलनों से गुजरते हैं हम कभी थप्पड़ तो कभी धक्के-मुक्के भी खाते हैं
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।
सियासी साजिशें व लापरवाही दिखाते हैं
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।
बाहरी बुराइयों ताकतों का सदैव सामना करते हैं
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।
किसानो की झोपड़ी से लेकर अमीरो के महलों का हाल हम बताते हैं
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।
खबर बटोर कर हम खबरों की तह तक जाते हैं
कलमवाले हैं हम इसलिए चौथा स्तम्भ कहलाते हैं।

अर्पित गुप्ता
लेखक
उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे समूह

मासूम बचपन

इस मासूम से बचपन का बस इतना सा फ़साना है,
हवाओं की आवारगी को छोटी मुट्ठियों में समाना है,
पर पढ़ाई भी करनी है
और..
स्कूल भी तो जाना है।
मुहल्ले के सब बच्चों को
अपना
दोस्त बनाकर,
फिर अपनी टोली को
लेकर
हुड़दंग मचाना है,
पर पढ़ाई भी करनी है
और..
स्कूल भी तो जाना है।
अपनी नज़रों से देखनी है
दुनियाँ छूकर इन्हें
अपने हर ख्वाब को फिर
हकीकत जो बनाना है
पर पढ़ाई भी करनी है
और..
स्कूल भी तो जाना है।
कब, क्यों, कहाँ और कैसे
होता है कुछ भी,
अपनी सारी उत्सुकताओं
को
आज ही तो मिटाना है,
पर पढ़ाई भी करनी है
और...
स्कूल भी तो जाना है।

प्रियंका कटारे प्रिराज
ग्वालियर मप्र

हे! ईश्वर

मैं कुछ खास नहीं
फिर भी
गुफ्तगू करता हूं तुमसे
दुनिया का हाल छोड़कर।
लोग पूछते हैं मुझसे
क्यों गुमसुम से रहते हो ?
क्या कोई दर्द मिला है ?
किसी अनजान शख्स से ?
अब क्या कहूं मैं
और कैसे कहूं
तेरी प्रेम अनुभूति
किसी से बोलने ही नहीं देती।
लोग पूछते हैं
क्यों तुम अजनबीयों की तरह
इधर-उधर घूमतें हो
अपनी फकीरी लिए।
मगर मैं कैसे कहूं
तुम्हारे सिवा मुझे
अब कोई
अपना लगता ही नहीं।

राजीव डोगरा विमल
कांगड़ा हिमाचल प्रदेश (युवा कवि लेखक)
(भाषा अध्यापक)
गवर्नमेंट हाई स्कूल, ठाकुरद्वारा।

एक मध्यमवर्गीय परिवार भी अजीब होता है ना?

खैर अजीब कहें, अलग कहें, या जिंदगी का संघर्ष कहें। जितना गरीबी से दूर भागने का संघर्ष उतना ही अमीरी के करीब आने का। बेटी के दहेज की चिंता या बेटे की पढ़ाई का फिक्र, बैंक की किस्तों की समस्या या मकान किराए की टेंशन, एक स्टैंडर्ड मेंटेन करने का सपना या घर में भूखे सोने का खौफ। परिणाम इस लोकडाउन में ही देखिए ना तो सरकार की किसी योजना का लाभ मिल पा रहा है, ना ही ये बेचारा किसी से राशन की मांग कर सकता है और ना ही है किसी राजनीतिक पार्टी के सहानुभूति का पात्र है। इस देश में जो आपदा का दौर चल रहा है उसने मध्यमवर्गीय परिवार की कमर तोड़ कर रख दी। गरीबों के लिए अमीर और सरकार हाजिर है, अमीरों को जरूरत नहीं। पिस रहा है तो बेचारा मिडिल क्लास... महीनों से धंधा पानी बन्द, घर में राशन और सेविंग खत्म, बेचारा करे तो क्या? वैसे देखा जाए तो जिस स्थिति में ये अपना पेट पाल रहे हैं वह बहुत ही मार्मिक है। ये जो मिडिल क्लास है ना बेचारा विसंगतियों से भरा हुआ है। इसको मानवता भी दिखाना है, भाईचारा भी निभाना है और धर्म और समाज को भी देखना है। कभी-कभी ये सब इंसान को निराश और बेचारा बना देती है जो कि ना तो यह किसी से कह पाता है और ना ही उसे सह पाता है। इनकी जिंदगी में एक नई समस्या ही पुरानी समस्या का समाधान होती है। इनकी सबसे बड़ी कमजोरी खुद को अमीर दिखाना होता है जहां तक यह कभी पहुंच ही नहीं पाते फिर बारी आती है आत्मसम्मान की जिसके बाद ये झुक भी नहीं पाते। ऐसा भी नहीं है की ये दुखी रहते हो, ये हर छोटी छोटी बात में खुशियां ढूंढना भी जानते हैं और पूरे परिवार के साथ उसका आनंद भी उठाते हैं। एडजस्ट करना तो मानों शुरू से ही खाने के साथ उनके खून में पहुंचाया जाता हो। यह वह परिवार है जिनके हिस्से में खुशी से पहले चिंताएं आती हैं। इसकी जिंदगी किसी शतरंज जैसे खेल की तरह दिखती है जब जीत का जश्न मनाने का वक्त आता है तब आखरी चाल में सामने वाला शह और मात दोनों दे जाता है।

सिद्धार्थ अवधिया (सोनी)
एन आई टी उत्तराखंड

अपने पैसे की चिंता का समय

कोरोना संकट में सबकी सबसे पहली चिंता यही है कि खुद को और अपने प्रियजनों को इस बीमारी से बचाकर रखते हुए जिंदगी कैसे चलाई जाए? जिंदगी चलाने का सवाल आते ही दूसरी चिंता शुरू हो जाती है, और वह यह कि अब कमाने, बचाने और पैसे को सही जगह लगाने का हिसाब कैसे जोड़ा जाए? जो लोग कारोबार कर रहे हैं, उनके लिए कारोबार को पटरी पर लाने की चिंता। जो नौकरी कर रहे हैं, उन्हें नौकरी बचाने, तनख्वाह कटने या उसके न बढ़ने की चिंता। जिनको किराया, कर्ज की किस्तें या कोई और भुगतान करना है, उन्हें उसका इंतजाम करने की चिंता। घर का खर्च, बच्चों के स्कूल की फीस, तरह-तरह के बिल और कहीं कोई मुसीबत आ पड़ी, तो ये सारी चिंताएं तो हैं ही। कुछ लोग तो वर्षों से हिसाब लगा रहे थे, प्लानिंग करके पैसे जोड़ रहे थे और काफी हद तक निश्चिंत हो चुके थे। कुछ का गणित आज भी काम कर रहा है और वे चैन की नींद सो रहे हैं, लेकिन अगर आप उनमें शामिल नहीं हैं, अगर आप आज अचानक खुद को संकट में पा रहे हैं और दिन-रात यही सोच रहे हैं कि आगे का वक्त कैसे कटेगा, तो यह सही समय है हिसाब लगाने का कि आप कितने पानी में हैं। हिसाब लगाने के लिए सबसे जरूरी है कि आप अपने जरूरी खर्च की लिस्ट बनाएं। जुबानी नहीं, लिखकर। एक-एक आइटम लिखिए और सबसे जरूरी बात, इस काम में पूरे परिवार को शामिल कीजिए। पत्नी, पति, बच्चे और अगर आपके माता-पिता साथ रहते हैं, तो उन्हें भी। पूरे घर को यह पता होना जरूरी है कि आपकी जरूरतें क्या हैं और उन्हें पूरा करने का इंतजाम क्या है। आप चाहें, तो पहले एक बार यह हिसाब अकेले भी लगा सकते हैं। ऐसे ही, आपके पति या पत्नी भी अलग से अपनी समझ से हिसाब लगा लें, तो और अच्छा है। इसी तरह, यह हिसाब भी लगा लें कि आपके पास कुल कितनी बचत, कितनी संपत्ति है और अगर कहीं से आपको नियमित पैसा आता है, तो वह कितना है। इसमें आपको क्या-क्या जोड़ना है? आपके घर पर और बैंक-पोस्टल बचत खाते में रखा पैसा। किसी बीमा पॉलिसी की मैच्योरिटी से मिलने वाला पैसा। फिक्स्ड डिपॉजिट या म्यूचुअल फंड में लगा पैसा। शेयर बाजार में लगा पैसा। किसी को उधार दिया हुआ पैसा। प्रॉविडेंट फंड, पीपीएफ या नेशनल पेंशन स्कीम या किसी अन्य रिटायरमेंट इनकम स्कीम में लगा हुआ पैसा। फिर आपके पास कितने मकान, जमीन या दूसरी जायदाद हैं, उनकी सूची और संभावित कीमत। घर के गहनों या सोने-चांदी के सिक्कों की कीमत भी जोड़ सकते हैं। कितने और किस तरह के बीमा आपने ले रखे हैं, उनका भी हिसाब लिखकर रखें। इसके बाद आपको जोड़ना यह है कि कुल खर्च कितना है और आपके पास उसे पूरा करने का इंतजाम क्या है, इसके तीन तरह के नतीजे निकल सकते हैं। या तो आप पाएंगे कि आपके पास अपनी बचत, पीएफ, पेंशन और संपत्ति या निवेश से आने वाली रकम मिलाकर महीने का खर्च भी पूरा हो जाएगा और ऊपर से बचत भी होगी। यदि ऐसा है, तो आप फिलहाल चैन की सास लें। दूसरी स्थिति यह हो सकती है, आप पाएं कि खर्च और आमदनी का तराजू करीब-करीब संतुलित है, कभी इधर कभी उधर की स्थिति है, यानी गुजारा तो हो जाएगा, लेकिन थोड़ी समझदारी से खर्च करना पड़ेगा। तीसरी स्थिति सबसे चिंताजनक है, वह यह कि हमें पता चले कि सब कुछ जोड़ने के बाद भी उतने पैसे का इंतजाम नहीं हो पाएगा, जितना हम हर महीने खर्च करते हैं। सबसे विकट स्थिति तो यही है कि आपके पास खर्च भर के पैसे न हों। अब रास्ता साफ है। परिवार में सबसे पहले सब साथ बैठकर हिसाब लगाएं कि कौन-कौन से खर्च तुरंत कम किए जाएं और क्या हममें से कोई या सभी लोग किसी तरह से कमाई कर सकते हैं। याद रहे कि यहां जल्दी कमाई के चक्कर में जमा-पूंजी दांव पर लगाने वाली किसी भी स्कीम से दूर रहें।

विध्याबालन की फिल्म शकुंतला देवी जल्द होगी रिलीज

सुहाना खान की तगड़ी फैन फॉलोविंग

एक लंबे समय से अपना इंस्टाग्राम अकाउंट प्राइवेट रखने के बाद कुछ महीनों पहले ही सुहाना ने इस पब्लिक कर दिया है। इसके बाद से ही सुहाना के फॉलोवर्स देखने लायक हैं। अपने हाल ही में हुए फोटोशूट की तस्वीरें भी सुहाना ने शेयर की हैं। फिलहाल लॉकडाउन के चलते सुहाना विदेश से मुंबई आकर परिवार के साथ समय बिता रही हैं

अनन्या को पसंद आया टॉपः

बेटी के लिए फोटोग्राफर बनीं गौरी खान, बिना मेकअप के ग्लैमरस नजर आई सुहाना खान

शाहरुख खान की बेटी सुहाना उन स्टारकिड्स में से एक हैं जो बिना बॉलीवुड डेब्यू के ही चर्चा में रहती हैं। उनकी तस्वीरें अकसर सोशल मीडिया पर वायरल होती रही हैं। हाल ही में फिर एक बार सुहाना का ग्लैमरस फोटोशूट वायरल हो रहा है जिसमें उनकी फोटोग्राफर कोई और नहीं बल्कि उनकी मां गौरी खान थीं। गौरी खान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से सुहाना के फोटोशूट की तस्वीरें शेयर करते हुए जानकारी दी है कि ये तस्वीरें उन्होंने खुद ली हैं। इसके साथ गौरी ने लिखा, ना हेयर, ना मेकअप, बस मेरी फोटोग्राफी। जैकलीन फर्नांडिस, सुजैन खान, मनीष मल्होत्रा और फराह खान जैसे कई सितारों ने भी सुहाना के फोटोशूट और लुक की जमकर तारीफ की है।

अनन्या को पसंद आया टॉप

अनन्या, सुहाना और शनाया कपूर तीनों बेस्ट फ्रेंड हैं। अपनी दोस्त सुहाना की खूबसूरत तस्वीर पर अनन्या ने भी मजेदार कमेंट किया है। उन्होंने लिखा, मुझे यकीनन ये टॉप बहुत पसंद आया है, मगर तुम मुझे दोगी नहीं।

फरहान अख्तर ने कोरोना वॉरियर्स के लिए 1000 पीपीई किट किया डोनेट !

कोरोना की महामारी थमने का नाम नहीं ले रही है, आमजन से लेकर हर कोई इसकी चपेट में आ चुका है। दिन-रात कोरोना मरीजों के बीच में हमारे स्वास्थ्य विभाग से जुड़े कर्मचारी रहते हैं। इस वायरस के खिलाफ जंग में बॉलीवुड सेलेब्स सरकार की खूब मदद कर रहे हैं। कोरोना से लड़ने में डॉक्टर्स अहम भूमिका निभा रहे हैं। डॉक्टर्स के लिए सुरक्षा सामानों की भी कमी पड़ रही है। ऐसे में कई स्टार्स इसके लिए आगे आ चुके हैं। विद्या बालन और शाहरुख खान के बाद एक्टर फरहान खान ने पीपीई किट्स डोनेट की हैं। फरहान ने पीपीई किट्स डोनेट किए हैं। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर दी है। उन्होंने ट्विटर अकाउंट पर पीपीई किट्स की तस्वीर शेयर की है। इसके साथ ही उन्होंने कैप्शन में लिखा, शुक्रिया आप लोगों की मदद के लिए। हमारा पहले पीपीई किट्स का बैच अकोला पुलिस स्टेशन के लिए रास्ते में है। हमारे फ्रंटलाइन वॉरियर्स की सुरक्षा करिए। इसके साथ ही उन्होंने लोगों से सहयोग करने की अपील की है। फरहान अख्तर कोरोना वारियर्स की पिछले कई दिनों से लगातार मदद कर रहे हैं। इससे पहले भी उन्होंने पीपीई किट्स डोनेट किए हैं। मंगलवार को फरहान अख्तर और उनकी गर्लफ्रेंड शिबानी दांडेकर की तस्वीरें सामने आई थीं। दोनों एक साथ स घर का जरूरी सामान हाथ में लिए दिखाई दिए थे। इस दौरान शिबानी दांडेकर और फरहान अख्तर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते भी दिखे और कोरोना से बचने के लिए दोनों ही मास्क और हैंड ग्लव्स भी पहने थे। वर्क फ्रंट की बात करें तो फरहान पिछली बार फिल्म द स्काय इज पिंक में नजर आए थे। फिल्म में उन्होंने प्रियंका चोपड़ा के साथ काम किया था। फिल्म को दर्शकों ने बहुत पसंद किया, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर इसे अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिला। अब फरहान की अगली फिल्म तूफान है। इसमें वह एक बॉक्सर की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन राकेश ओमप्रकाश मेहरा कर रहे हैं।

बॉलीवुड के मशहूर खानदान हैं सुखी परिवार की मिसाल – बरसों से कर रहे हैं इंडस्ट्री पर राज

आज अंतराष्ट्रीय परिवार दिवस है। कहते हैं कि खुशहाल जिंदगी की नींव होता है सुखी परिवार। बॉलीवुड में भी कई ऐसे मशहूर खानदान हैं, जो बरसों से इस इंडस्ट्री पर राज कर रहे हैं। जिन्होंने लोगों के सामने सुखी परिवार की मिसाल पेश की है। आज हम बात करेंगे बॉलीवुड के पांच मशहूर और पॉवरफुल फैमिलीज की

कपूर खानदान

बॉलीवुड के पॉपुलर और सक्सेफुल खानदानों की बात की जाए तो इस लिस्ट में सबसे पहले नाम आता है पृथ्वीराज कपूर के परिवार का। कपूर परिवार इंडियन फिल्म इंडस्ट्री का सबसे पुराना परिवार है। चार पीढ़ियों से यह परिवार इंडियन फिल्म इंडस्ट्री पर राज कर रहा है। 1931 में भारत की पहली बोलने वाली आलम आरा में पृथ्वीराज कपूर ने मुख्य भूमिका अदा की थी। पृथ्वीराज कपूर के बाद उनके तीनों बेटो राज कपूर, शम्मी कपूर और शशि कपूर ने बॉलीवुड पर राज किया। राज कपूर को बॉलीवुड का शोमैन कहा गया। राज कपूर की विरासत को आगे बढ़ाया उनके बेटों ऋषि कपूर, रणधीर कपूर और राजीव कपूर ने। रणधीर कपूर की दोनो बेटियां करिश्मा कपूर और करीना कपूर बॉलीवुड की सक्सेसफुल अभिनेत्रियों में से एक है। 90 के दौर में करिश्मा बॉलीवुड की रानी हिन्दुस्तानी कहलाईं, तो राज कपूर की छोटी पोती करीना कपूर इंडस्ट्री की हाइऐस्ट पेड एक्ट्रेस में से एक हैं।

बच्चन परिवार

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन का परिवार फर्स्ट फैमिली ऑफ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री कहलाता है। फिल्मों की दुनिया में अपना अलग मुकाम पाने के लिए मुंबई आए अमिताभ बच्चन ने अपने करियर की शुरूआत 1969 में की थी। अभिताभ बच्चन के पिता जी मशहूर कवि हरिवंश राय बच्चन थे, लेकिन उन्होने पिता से अलग फिल्मों में अपनी प्रतिभा दिखानी चाही। जिसमें शुरूआती नाकामी के बाद वो सफल भी रहे। अमिताभ सदी के महानायक कहलाते हैं। अमिताभ बच्चन ने एक्ट्रेस जया भादूड़ी से शादी की, जया भी बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा रही हैं। अपने पिता के नक्शे कदम पर चलकर उनके बेटे अभिषेक बच्चन ने भी बॉलीवुड में पहचान बनाई। बच्चन परिवार की बहू ऐश्वर्या राय बच्चन भी इंडस्ट्री की पॉपुलर और मोस्ट ब्यूटीफुल एक्ट्रेस हैं।

खान परिवार

मशहूर फिल्म लेकर सलीम खान का परिवार भी कई सालों से इंडस्ट्री में है। सलीम खान ने 1960 में बतौर अभिनेता फिल्मों में काम करना शुरू किया था। लेकिन उन्हें पहचान मिली उनकी कलम के जादू से। दो भाई, जंजीर, शोले, नाम जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों की कहानी सलीम खान ने लिखी। सलीम खान के बाद उनके तीनों बेटों सलमान खान, अरबाज खान, और सोहेल खान ने भी बॉलीवुड में कदम रखा। आज सलमान खान बॉलीवुड के सुल्तान कहलाते हैं। हिट की गारंटी बन चुके सलमान की फिल्में बॉक्सऑफिस पर कमाई के इतिहास रचती हैं।

सुरेन्द्र कपूर परिवार

बॉलीवुड के लखन अनिल कपूर के परिवार का भी फिल्म बिजनेस से पुराना और गहरा रिश्ता है। अनिल कपूर के पिता सुरेन्द्र कपूर मशहूर एक्ट्रेस गीता बाली के सेक्रेटरी हुआ करते थे। जिसके बाद उन्होने बतौर प्रोड्यूसर फिल्म निर्माण में भी हाथ आजमाया। सुरेन्द्र कपूर के बाद उनके तीनों बेटे बोनी कपूर, अनिल कपूर और संजय कपूर भी शोबिज की दुनिया में आए। बोनी कपूर जाने-माने फिल्म प्रोड्यूसर हैं, बोनी कपूर ने बॉलीवुड की पहली फीमेल सुपरस्टार श्रीदेवी से शादी की थी। बोनी कपूर और श्रीदेवी की बेटी जाह्नवी कपूर भी इंडस्ट्री में एंट्री कर चुकी है। तो वहीं अनिल कपूर भी सफल अभिनेता रहे हैं। अनिल कपूर की बेटी सोनम कपूर ने भी बॉलीवुड में नाम कमाया है।

चोपड़ा और जौहर परिवार

बॉलीवुड के पॉवरफुल परिवारों की लिस्ट चोपड़ा और जौहर परिवार के ज़िक्र के बिना अधूरी है। यश चोपड़ा और यश जौहर के परिवारों ने फिल्मों की दुनिया में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। बलदेव राज चोपड़ा ने बीआर फिल्म्स के नाम से प्रोडक्शन हाउस की नींव रखी थी। जिसके बाद बलदेव राज चोपड़ा के छोटे भाई यश चोपड़ा भी निर्देशन की दुनिया में आए। यश चोपड़ा ने कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों का निर्देशन किया। यश चोपड़ा के नक्शेकदम पर चलते हुए उनके बड़े बेटे आदित्य चोपड़ा ने भी निर्देशन में हाथ आजमाया, यशराज फिल्मस बॉलीवुड का टॉप प्रोडक्शन हाउस है। आदित्य चोपड़ा ने रानी मुखर्जी से शादी की है। तो वहीं, यश जौहर की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं उनके बेटे करण जौहर। करण की मम्मी हीरू जौहर, यश चोपड़ा की बहन हैं, जिन्होने यश जौहर से शादी की थी। करण जौहर बॉलीवुड के सक्सेसफुल फिल्ममेकर हैं। करण जौहर अपने धर्मा प्रोड्क्शन के बैनर तले बनी फिल्मों से कई स्टार किड्स को लॉन्च कर चुके हैं।

विद्या बालन की फिल्म शकुंतला देवी प्राइम वीडियो पर होगी रिलीज

हाल ही में बिग बी और आयुष्मान खुराना स्टारर फिल्म गुलाबो सिताबो के डिजिटली रिलीज होने का ऐलान हुआ है और अब इसी लिस्ट में बॉलीवुड की एक और एक्ट्रेस की फिल्म का नाम जुड़ गया है । बॉलीवुड की ऊलाला गर्ल यानी विद्या बालन इन दिनों कोविड-19 से जूझ रहे लोगों की मदद के लिए चर्चा बटोर रही हैं। विद्या अपने साथ-साथ बाकी सब को भी ऐसे वक्त में आगे आने और हेल्प करने के लिए प्रेरित कर रही हैं। इसी बीच विद्या के फैंस के लिए एक और खुशखबरी आई है।

दरअसल, अगर आप भी विद्या बालन की मच अवेटेड फिल्म शकुंतला देवी देखने का इंतजार कर रहे हैं, तो आपका इंतजार खत्म होने वाला है, क्योंकि शकुंतला देवी को भी ऑनलाइन रिलीज किए जाने का फैसला ले लिया गया है। विद्या ने खुद अपनी फिल्म के डिजिटली रिलीज होने का ऐलान भी कर दिया है यानी विद्या बालन की ये फिल्म अब आपके मोबाइल पर आ रही है। आपको बता दें फिल्म 8 मई को रिलीज होनी थी, लेकिन लॉक डाउन की वजह से फिल्म की रिलीज डेट पोस्टपोन कर दी गई थी। हालांकि मेकर्स ने फिल्म को ज्यादा डिले ना करते हुए अमेजॉन प्राइम पर रीलिज करने का ऐलान कर दिया है। वैसे भी, लॉक डाउन के दौर में ऑडियंस के पास ज्यादा कुछ नया और फ्रेश देखने के लिए बचा नहीं है। ऐसे में ऑडियंस के लिए कुछ इंटरेस्टिंग होगा। फिल्म आपके लिए प्राइम वीडियो पर कब रिलीज होगी इसका ऐलान होना अभी बाकी है, जिसका हर कोई इंतजार कर रहा है। जबसे फिल्म से विद्या का पहला पोस्टर आया है, तभी से फिल्म को लेकर हर किसी में एक्साइटमेंट बनी हुई है। आपको बता दें शकुंतला देवी की कहानी असल जिंदगी में ह्यूमन कंप्यूटर के नाम से जाने जाने वाली महिला शकुंतला देवी पर आधारित है। विद्या को ह्यमन कंप्यूटर बनते देखना यकीनन फैंस के लिए कुछ नया होने वाला है। एक इंटरव्यू में बात करते हुए विद्या ने बताया था कि वह इस रोल को करने के लिए काफी एक्साइटेड थी। यह बेहद इंस्पिरेशनल महिला की कहानी है । आपको बता दें इस फिल्म में विद्या के साथ-साथ अमित साध ,सान्या मल्होत्रा और जिशु सेनगुप्ता नजर आएंगे। सान्या मल्होत्रा विद्या बालन की बेटी का किरदार निभाती नजर आएंगी तो वही जिशु सेनगुप्ता विद्या के पति के किरदार में नजर आएंगे ।

भूमि पेडनेकर को याद आ रहे हैं जिम वाले पुराने दिन, लॉकडाउन में नहीं कर पा रहीं एक्सरसाइज !

फिल्मों की शूटिंग में हमेशा बिज़ी रहने वाल बॉलीवुड स्टार्स पिछले 2 महीने से घर बैठे हैं । समय बिताने के लिए कोई किताब पढ़ रहा है, कोई कुकिंग कर रहा है तो वहीं कोई नई चीजें सीखने की कोशिश कर रहा है। इस दौरान सितारों को अपने शूटिंग सेट्स के साथ साथ जिम की भी बहुत याद आ रही है।

भूमि पेडनेकर लॉकडाउन के दिनों में अपने जिम सेशन्स और अपने वर्कआउट शेड्यूल्स को काफी मिस कर रही हैं। भूमि ने सोशल मीडिया पर अपना एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वो वर्कआउट मशीन पर जमकर पसीना बहाती हुई नजर आ रही हैं। इस वीडियो को इंटरनेट पर अब तक काफी लोग देख चुके हैं। भूमि ने अपने इस वीडियो को अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। वीडियो को शेयर करते हुए भूमि ने लिखा, थ्रोबैक। इससे पता चलता है कि भूमि का ये वीडियो पुराना है और वो अपने उन आजाद दिनों को काफी मिस कर रही हैं। फिटनेस को लेकर एक इंटरव्यू के दौरान भूमि पेडनेकर ने बताया कि- मैंने कभी भी किसी डायटीशियन या न्यूट्रिशनिस्ट से सलाह-मशविरा नहीं लिया। मैं सिर्फ एक नियम का पालन किया करती हूँ। वह नियम है घर का बना खाना खाओ। भूमि पेडनेकर ने कहा, मैं पहली बार एक लाइव कुकिंग सेशन में शामिल होने के लिए बेहद रोमांचित हूं, क्योंकि यह सभी जानते हैं कि खाना कितना पसंद है। मैं हमेशा से हेल्दी रही हूं। मुझे खुद खाना बनाना काफी पसंद है और मैंने खुद को कभी भी घी, मक्खन खाने से नहीं रोका। आगे भूमि पेडनेकर ने बताया कि, मैं रिफाइंड चीनी खाने से बचती हूं और अपने कार्बोहाइड्रेड डाइट को भी कंट्रोल में रखती हूं। मैंने कभी किसी डायटीशियन से सलाह नहीं ली। मेरी डाइटीशियन हमेशा से ही मेरी मां और मैं खुद थी। हम हमेशा से घर का बना खाना खाते आए हैं, जिसे हम वजन घटाने के दौरान अपना मास्टरस्ट्रॉक मानते हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो भूमि पेडनेकर ने फिल्म दम लगा के हईशा से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म में वो एक ओवर वेट महिला के किरदार में नजर आईं थी जिसके लिए उन्होंने अपना वजन लगभग 12 किलो तक बढ़ा लिया था। इस फिल्म के बाद उन्हें उनके मोटापे के लिए काफी ट्रोल भी होना पड़ा था। लेकिन समय के साथ भूमि ने जिस तरह से अपना बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन किया, उसे देखकर हर कोई दंग है। साथ ही वो बाला फिल्म में भी नजर आई थीं।

रमजान में बीमार पड़ीं हिना खान, दवाई न खाने पर पड़ी पिता से डांट

देशभर में हुए लॉकडाउन की वजह से इन दिनों सभी लोग अपने-अपने घर में कैद हैं। एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री भी इन दिनों रुकी हुई है। ना ही कोई शूटिंग हो रही है और ना ही कोई फिल्म थियेटर में रिलीज हो रही है। जिसके चलते आर्टिस्ट भी बोर होने लगे हैं। सभी एक्टर और एक्ट्रेस की आमद इस समय सोशल मीडिया पर बढ़ गई है।

हिना खान अपने परिवार के साथ इन दिनों रमजान का पालन कर रही हैं। एक्ट्रेस परिवार की लाडली हैं जिसका अंदाजा उनकी सोशल मीडिया पोस्ट से लगाया जा सकता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने एक क्यूट वीडियो शेयर किया है जिसमें उन्हें पिता से जमकर डाट पड़ रही है। पिता ने शिकायत करते हुए ये भी बताया कि हिना बचपन से ही दवाई खाने में नखरें दिखाती हैं। हिना ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम से स्टोरीज की एक सीरीज शेयर की है जिसमें उनकी पिता से नोक-झोंक हो रही है। पिता शिकायत करते हुए कहते हैं कि तुमने दवाई नहीं खाई है ऐसे तो तुम ठीक नहीं होगी। इसपर एक्ट्रेस ने कहा, ह्यमैंने भले ही एक टेबलेट फेंक दी हो मगर दूसरी खा ली है। छोटी सी बहस के बाद पिता हिना से कहते हैं, तुम बचपन से दवाई खाने में नखरे करती होह्व। हिना खान का अपने पिता के साथ काफी क्लोज बॉन्ड है। वह अकसर उनके साथ वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करती रहती हैं। इससे पहले हिना खान ने पिता को लेकर एक फनी वीडियो शेयर किया था। इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए इस वीडियो में वह पिता से कह रही होती हैं कि फ्रिज ने काम करना बंद कर दिया है। हम क्या करेंगे? वर्कफ्रंट की बात करें तो हिना खान ने टीवी की दुनिया में अपनी दमदार पहचान बनाने के बाद बॉलीवुड में भी खूब नाम कमाया है। फिल्म और सीरियल के अलावा एक्ट्रेस रिएलिटी शो में भी नजर आ चुकी हैं, जिसमें खतरों के खिलाड़ी और बिग बॉस 11 शामिल है। वेब सीरीज हैक्ड के बाद हिना खान जल्द ही फिल्म लाइन में भी नजर आने वाली हैं।

लॉक डाउन से जीवन में बढ़ रहे तनाव से मुक्त करने में जुटा आनंद संस्थान

चिंताओं को कम करने के लिए ध्यान का दायरा बढ़ाएं: सुधीर आचार्य

सुनील तोमर रिपोर्टर

अम्बाह। लॉक डाउन में घर परिवार में बढ़ रही विभिन्न चिंताओं के चलते तनाव और अवसाद के शिकार हो रहे लोगों को टेंशन फ्री रहने के लिए मध्यप्रदेश राज्य आनंद संस्थान द्वारा ऑनलाइन कार्यक्रमों की श्रृंखला अनवरत चल रही है, इसी तरह का एक कार्यक्रम वर्तमान में चल रहा है जिसका विषय चिंतन के जरिए चिंता से छुटकारा है ,ऑनलाइन चल रहे इस कार्यक्रम के आज तीसरे दिन मध्यप्रदेश राज्य आनंद संस्थान के प्रदीप मेहतो, अंजना श्रीवास्तव, बलवीर बुंदेला ,मनीषा कांबले और ऑब्जर्वर प्रेम प्रकाश सिरोलिया की मौजूदगी में मास्टर ट्रेनर सुधीर आचार्य ने कहा कि मई माह में अभी तक पांच कार्यक्रम संस्थान द्वारा हो चुके हैं और छह -छह दिवसीय पांच कार्यक्रम 13 मई से23मई तक लगातार चल रहे हैं ,आचार्य ने कहा कि यह सही है लाक डाउन में रोजी, रोटी ,बिजनेस, शिक्षा, कैरियर , और सुरक्षा जैसी तमाम तरह की चिंताएं लोगों को सता रही हैं और इस चिंता के कारण घर परिवार में अपनों के बीच रहते हुए भी एक अजीब सा तनाव व अवसाद लोगों को घेर रहा है लेकिन हम केवल चिंता के विषय में ही जानते हैं उसके घातक स्वरूप को नही पहचानते, चिंता का वास्तविक स्वरूप बताते हुये उन्होंने कहा कि चिंता से

चतुराई घटे, घटे रूप और ज्ञान चिंता बढ़ी अभागिनी, चिंता चिता समान उन्होंने कहा कि यह भी सही बात है कि बहुत सी चिंताएं बाजिब हैं लेकिन सिर्फ चिंता करते रहने से और चिंता में डूबे रहने से हमारा व्यवहार रूखा और नीरस होता चला जाता है जो हमे खुद से दूर ले जाता है इसलिए चिंता की जगह उन विषयों का समाधान सोचे, जिनकी हम चिंता कर रहे हैं अगर हम उन बिषयों पर चिंतन करने लगेगे तो समाधान का रास्ता भी नजर आने लगेगा, और हमारा व्यवहार भी अच्छा होने लगेगा, इसलिए चिंता की जगह चिंतन को प्रमुखता दें उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण यह है कि चिंता के दो दायरे होते हैं जिनमे एक चिंता का दायरा तो दूसरा प्रभाव का दायरा सुधीर आचार्य ने बताया कि चिंता के दायरे में वह विषय ,वस्तुएं आती हैं जिनकी हम सिर्फ चिंता तो करते हैं लेकिन उनके निदान और समाधान के लिए कुछ करना नहीं चाहते या कर नहीं सकते और प्रभाव के दायरे में वह विषय वस्तुएं आती हैं जिनके लिए हम चिंता करने के साथ-साथ समाधान करने के लिए तैयार रहते हैं और समाधान कर लेते हैं। लेकिन शायद हम प्रकृति के इस नियम को भूल जाते हैं कि जहां हमारा ध्यान जाता है वहां ऊर्जा जाती है और जहां ऊर्जा जाएगी वह चीज विस्तार पाएगी अर्थात बढ़ेगी। अब हम विचार करें कि ऐसी कौन-कौन सी चीजें हैं जिनको हम चिंता के दायरे से निकालकर प्रभाव के दायरे में ला सकते हैं उन्होंने बात का निष्कर्ष बताते हुये कहा कि हम अपने चिंतन द्वारा चिंताओं को, प्रभाव का दायरा बढ़ाकर हम कम कर सकते हैं और जैसे ही चिंताएं कम होती हैं हमारे अंदर से तनाव, अवसाद,निराशा भी कम होती जाएगी और हम आनंद की ओर अग्रसर होने लगेंगे, 6 दिवसीय इस कार्यक्रम में देशभर के 100 परिवारों द्वारा भाग लिया जा रहा है।

विश्व परिवार दिवस पर नगर पालिका सीएमओ सुरेन्द्र शर्मा ने जनता से की अपील परिवार के साथ रहकर प्यार बांटे...

केशब पडित जी अम्बाह

अम्बाह। अम्बाह नगर पालिका बिश्ब परिबार दिबश पर सीएमओ सुरेन्द्र शर्मा ने अम्बाह शहर मे लॉकडाउन भ्रमण के साथ साथ जनता के बीच सभी से एक अपील की कि वह भोजन मंत्र के उपरान्त पूरे परिबार के साथ भोजन ग्रहण करे तथा परिबार के साथ अधिक समय बिताये तथा एक दूसरे का हालचाल पूछे साथ मे टीबी देखे गेम खेले तथा धार्मिक पुस्तको तथा अच्छे बिचारो से अबगत कराबे एक दूसरे के साथ प्यार बॉटे और साथ ही समाज में यह संदेश दे कि लॉकडाउन के दौरान परिबार दिबस पर सभी अम्बाह बासियो को हार्दिक शुभकामनाये दी साथ ही साथ अपील की कोराना महामारी के चलते सभी लोग अपने घर में अपने परिबार बालो के साथ रहै बेबजह सडको पर न निकले यह संकट का समय है अपने और अपने परिबार बालो के साथ रहै और भौजन सब लोग एक साथ बैठकर करे साथ ही सभी काध्यान रखे साथ में भोजन करने से सभी मे प्यार बढता है लॉकडाउन के नियमो का पूरा पालन करे घर मे सुरक्षित रहै शोसल डिस्टेश का पालन करे दूरी बनाते हुऐ एक दूसरे से बात करे सेनेटाइजर से बार बार हाथ धोते रहै तथा कोई भी बस्तु हो धोकर अच्छी तरह से खाये और इस अबसर पर तहसीलदार सर्बैश यादव ने बताया आज बिश्ब पर्याबरण दिबस के अबसर पर सभी लोगो को अपने परिबार के साथ रहकर खुशियॉ बॉटे अपने बच्चो के साथ खेले व अधिक से अधिक समय दे तथा उनकी समस्याओ को सुने उनका निराकरण करें...

कलेक्टर ने मालवा कॉलेज पहुँचकर श्रमिकों के लिये की गई व्यवस्थाओं का लिया जायजा

ग्वालियर। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने अन्य राज्यों एवं प्रदेश के विभिन्न जिलों के आ रहे प्रवासी श्रमिकों के लिये बनाए गए केन्द्र मालवा कॉलेज पहुँचकर व्यवस्थाओं का अवलोकन कर जानकारी ली। इस दौरान नगर निगम आयुक्त श्री संदीप माकिन साथ थे। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने शनिवार को मालवा कॉलेज पहुँचकर विभिन्न राज्यों एवं प्रदेश के अन्य जिलों से आ रहे प्रवासी श्रमिकों के लिये की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान मजदूरों से भी चर्चा कर जानकारी ली। उन्होंने केन्द्र प्रभारी को निर्देश दिए कि बाहर से विभिन्न स्थानों से आने वाले श्रमिकों को भोजन, पेयजल, विश्राम तथा गंतव्य स्थान तक पहुँचाने में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने इस दौरान ऐसे श्रमिक जो जूते-चप्पल नहीं पहने थे, ऐसे 30 लोगों को चप्पलें भी उपलब्ध कराई गई हैं। कलेक्टर ने उपस्थित चिकित्सकों की टीम को निर्देश दिए कि बाहर से केन्द्र पर लाए जा रहे प्रत्येक श्रमिक एवं उनके परिजनों की थर्मल स्क्रीनिंग एवं जाँच भी हो। मालवा केन्द्र के प्रभारी तहसीलदार श्री अनिल राघव एवं आरआई श्री अरविन्द शर्मा ने बताया कि शनिवार को 2 हजार 500 श्रमिक विभिन्न प्रांतों एवं मध्यप्रदेश के जिलों से मालवा कॉलेज पहुँचे हैं। इनकी थर्मल स्क्रीनिंग एवं स्वास्थ्य परीक्षण कराकर सेनेटाइज बसों के माध्यम से संबंधित राज्यों की सीमा एवं प्रदेश के श्रमिकों को उनके गृह जिलों के लिये भोजन एवं पेयजल के साथ रवाना किया गया है। श्री राघव ने बताया कि शहजहानपुर उत्तरप्रदेश के 37 प्रवासी श्रमिकों को यूपी बॉर्डर (उदी) तक बस से भेजने की व्यवस्था की गई है।

अम्बाह प्रशासन ने कराई आधे शहर की मेडिकल दुकानों को बंद मरीज हुए परेशान...

राधा तोमर अम्बाह

अम्बाह। अंचल में कोरोना के मरीज बढते ही प्रशासन ने अब तक खुल रहे मेडिकल की आधी दुकानों को बंद करा दिया है जिसके चलते मरीजों को परेशानी उठानी पड़ रही है ज्ञात रहे कि प्रशासन के आदेश के तहत जग्गा चौराहा पोरसा चौराहा हॉस्पिटल कैंम्पस की दुकानों को छोड़कर शेष दुकानों को बंद करा दिया है जबकि खुली दुकानों पर भी सोशल डिस्टेंस का पालन नहीं हो रहा है वही शहर की कुछ बड़े-बड़े मेडिकल स्टोर जिन पर संपूर्ण दवाई मिलती हैं उनको बंद कराने से मरीजों को दवाओं के लिए परेशान होना पड़ रहा है प्रशासन का कहना है कि कोरोना के मरीज सामने आने के चलते उक्त मेडिकल स्टोरों को बंद कराया है जिससे मेडिकल स्टोर पर भीड़ ना हो किंतु जो मेडिकल स्टोर खोलें हैं उन पर भी सोशल डिस्टेंट का पालन नहीं हो रहा है जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ रहा है मरीज परेशान होते नजर आये।

बिजली उपभोक्ताओं के लिये व्हाट्सएप चेटबोट की सुविधा

ग्वालियर। बिजली उपभोक्ता कम्पनी के हेल्पलाईन नम्बर- 0755-2551222 को मोबाइल में सेव कर व्हाट्सएप चेटबोट के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज कर उसकी स्थिति जान सकते हैं। उपभोक्ता विद्युत बिल को पीडीएफ फाइल के रूप में डाउनलोड भी कर सकते हैं। इसी तरह ऑनलाइन जमा किये गये विद्युत बिल की रसीद व्हाट्सएप चेटबोट के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिये उपभोक्ता को अपने मोबाइल से कम्पनी के उपभोक्ता सहायता फोन नम्बर-0755-2551222 पर % लिखकर व्हाट्सएप मैसेज भेजना होगा। इसके बाद उपभोक्ता को एक से 10 ऑप्शन्स की सूची का मैसेज प्राप्त होगा जिसमें- इस सूची के अनुसार बिजली उपभोक्ता ऑप्शन्स नम्बर व्हाट्स एप मैसेज कर विद्युत संबंधित शिकायत दर्ज कर सकते हैं, बिल प्राप्त कर सकते हैं एवं भुगतान की पावती भी प्राप्त कर सकते हैं। व्हाट्सएप चेटबोट के माध्यम से कोई भी व्यक्ति अपने रिश्तेदार एवं मित्र के लिये भी विद्युत संबंधी शिकायत दर्ज कर सकते हैं। बिजली आपूर्ति अवरुद्ध होने पर 5 से 10 मिनिट में एप अथवा टोल-फ्री नम्बर 1912 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

उपभोक्ता इन बातों का रखें ध्यान–सभी उपभोक्ता अपने घर में एमसीबी (मिनिचेयर सर्किट ब्रेकर) स्विच जरूर लगाएं, जिससे बिजली प्रवाह में कोई गड़बड़ी होने पर आपूर्ति स्वत- बंद हो जाए और जान-माल की हानि न हो। घर में अर्थिंग होना चाहिये तथा समय-समय पर जाँच करना चाहिये। बिजली उपकरण अथवा वायरिंग गीली जगह पर नहीं होना चाहिये। इसे सुरक्षित होना चाहिये। बिजली के खम्बों से पशुओं को नहीं बाँधना चाहिये।

सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए बांटा गया दो माह का खाद्यान्न

कैलारस– शोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए मध्य प्रदेश शाशन के नियम अनुसार आज गणेश प्रथमिक उप.सह. भण्डार कैलारस दुबारा लिस्ट के आधार पर सभी उपभोक्ताओ दो महा का खाद्यान वितरण किया गया खाद्यान्न वितरण करते समय सोशल डिस्टेंस का विशेष ध्यान रखा गया वही सभी उपक्ताओं के लिए से सेनेट्रेज कराने के इंतजाम किए गए थे बही कोरोना जैसी बीमारी से बचने के लिए जानकारी भी दी गई।

मुरैना गोटिया पुरा रेलवे ट्रैक पर मिली एक अज्ञात व्यक्ति का शव

मुरैना। गोटिया पुरा सिविल लाइन थाना क्षेत्र के अंतर्गत रेलवे ट्रैक पर अज्ञात व्यक्ति की लाश मिली इसका सर धड़ से अलग था पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लि ुरैना ले आए अब पुलिस आरोपी की पहचान और घटना की जानकारी में जुटी।

अटेर रोड निवासी युवक कोरोना पॉजीटिव निकला

पोरसा। अटेर रोड निवासी युवक कोरोना पॉजीटिव निकला है। यह महाराष्ट्र से 10 मई को भाई, पत्नी, बच्चों सहित बस से पोरसा आया था। लक्षण दिखाई देने पर 12 मई को सेम्पल कराया गया। इसके सम्पर्क में आने वाले लोगों की पहचान की जा रही है। शीघ्र ही इनकी जांच की जावेगी। मरीज पोरसा चिकित्सालय में इलाज के लिये दाखिल किया गया है। बाहर से आ रहे मजदूरों के बीच कोरोना संक्रमण न हो, इसकी जांच निरंतर स्वास्थ्य विभाग अमले द्वारा की जा रही है। जिला में 1 लाख 30 हजार से अधिक लोगों की थर्मल स्केनिंग कर 80 हजार लोगों को होमकोरेनटाइन किया गया, इनमें से 42 हजार की अवधि पूर्ण हो चुकी है।

इफको द्वारा खरीदी केंद्रों पर कृषकों को सेनेटाइजर वितरण

मुरैना में इफको द्वारा सेवा सहकारी समिति लल्लूबसई, सेवा सहकारी समिति सिहोनिया, सेवा सहकारी समिति बड़ागाँव नावली एवं सेवा सहकारी समिति अजनोधा, सेवा सहकारी समिति जीगनी, जिला-मुरैना के गेहूं एवं सरसों खरीद केन्द्रों पर एवं उप संचालक कृषि कार्यालय मुरैना, सिटी कोतवाली थाना मुरैना, आंचलिक अनुसंधान केन्द्र जिला मुरैना पर कृषि एंव किसान कल्याण ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री भारत सरकार एवं सांसद मुरैना श्री नरेन्द्र सिंह तोमर की प्रेरणा से कोरोना महामारी की रोकथाम एवं बचाव हेतु जागरूकता अभियान चलाया गया।

प्रशासनिक अधिकारी ही नहीं

सोशल डिस्टेंस का पालन बिना मास्क और दूरी के कर रहे है विदाई पार्टी

मुरैना – इस समय पूरे देश भर में कोरोना वायरस और लॉक डाउन के चलते सभी सामाजिक और सरकारी कार्य पूरी तरह से बंद है। जहां तक इस संक्रमण से बचने के लिए लोग घर पर अपने चाहने वाले का जन्मदिन भी नहीं मना रहे हैं। लेकिन इस कोरोनाकाल संकट में अफसर शाही अपनी विदाई पार्टी मनाना नहीं भूल रहे है। ऐसा ही नजारा मुरैना जिले में देखने को मिला जब चंबल संभाग की कमिश्नर रेनू तिवारी का तबादला किसी दूसरी जगह हुआ तो जिले की सभी छोटे बड़े अफसरों ने कमिश्नर रेनू तिवारी की विदाई पार्टी देना नहीं भूले। जिले के सभी छोटे बड़े अफसरों ने बिना मॉस्क पहने और सोशल डिस्टेंस की धज्जियां उड़ा कर कमिश्नर रेनू तिवारी को विदाई दी। इस दौरान कुछ अधिकारी बिना मास्क पहने नजर आये। साथ ही वहां पर सोशल डिस्टेंस का भी बिल्कुल ख्याल नहीं रखा। इससे साफ होता है किसको ना काल संकट में कोई भी व्यक्ति इस संक्रमण से बचने के लिए न तो वह शादी समारोह में जा रहा है ना ही खुद शादी समारोह कर रहा है। जहां तक वह अपने बच्चों का भी जन्मदिन नहीं मना रहा है। क्यों कि इस कोरोना संक्रमण से पूरी तरह खुद और दूसरों को भी सुरक्षित रखें सके। लेकिन कुछ अधिकारी ऐसे हैं कि खुद ही नियमों की धज्जियां उड़ाते नजर आ रहे है।

कोरोनावायरस से बचाव करने वाली अधिकारी समाजसेवियों का किया गया सम्मान

पोरसा। हरीश हिडोलिया कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के चंबल संभाग संयोजक द्वारा अंबेडकर भवन पर अधिकारियों पत्रकारों एवं समाजसेवियों व राजनेताओं का सम्मान किया गया। आज अटेर रोड पर स्थित अंबेडकर भवन पर हरीश हिंडोलिया कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के संयोजक चंम्बल संभाग के द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें एसडीओपी अवनीश बंसल सीएमओ नत्थीलाल करौलीया, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष मोहन सिंह तोमर, पत्रकार रामकरण सिंह तोमर कमल सिंह तोमर नीरज पचौरी राधा कृष्ण गुप्ता आदि को शाल व श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया कार्यक्रम का संचालन सी डी शर्मा द्वारा किया गया इस मोके पर समाजसेवी एवं कांग्रेस के नेता बबलू दुबे, राम किशोर तिवारी,दीबान सिंह तोमर, महेश शिवहरे, योगेंद्र सिंहतोमर,डा बी आर कौशल, यूनिश खां पढान, राजेंद्र सिंह भदौरिया,शंकर सिंह तोमर,सुनील शर्मा पुजारी, मुकेश कटारे, महेश वर्मा, जगपाल सिंह राजावत शिव दत्त शुक्ला आदि को स्वाफी उड़ाकर सम्मानित किया गया ह्यस्त्रश्श्चअविनीश बंसल इस मौके पर मुख्य अतिथि थे एवं अन्य अतिथियों ने कहा कि इस बीमारी से बचाने का प्रयास किया जाना।

भारत सरकार द्वारा घोषित पैकेज का लाभ प्रदेश की औद्योगिक इकाईयों को मिले

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने दिए निर्देश

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भारत सरकार द्वारा एमएसएमई सेक्टर में किए गए नवीन वर्गीकरण के निर्णय का स्वागत किया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि भारत सरकार के पैकेज से एमएसएमई क्षेत्र और व्यापार के लिए कोलेट्रल मुक्त ऋण के प्रावधान पर प्रदेश की 22 लाख से अधिक इकाईयों के लिए बैंकों से समन्वय कर उन्हें सहायता दी जा सकेगी। आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहीं इकाईयाँ सामान्य रूप से काम करने की ओर अग्रसर होंगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग को भारत सरकार के नवीन प्रावधानों के अनुरूप पात्र औद्योगिक इकाईयों को कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि भारत सरकार के पैकेज में 200 करोड़ से अधिक लोकल टेंडर को समाप्त करने के निर्णय, एमएसएमई इकाईयों में वित्तीय सरलता बनाये रखने के लिए उनकी देयताओं का भुगतान सभी शासकीय विभागों और निगम मण्डल द्वारा 45 दिन में करने के प्रावधान से व्यापार बढ़ाने में सहयोग मिलेगा। इसके साथ ही ई-मार्केट प्लेटफार्म और एमएसएमई इकाईयों को वित्तीय मदद के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना में कर्मचारी और नियोक्ताओं के अंशदान में जमा की छूट भी दी गई। मुद्रा योजना के अंतर्गत शिशु श्रेणी की ऐसी इकाईयाँ जो ऋण भुगतान की दृष्टि से नियमित हैं, पैकेज में दो प्रतिशत ब्याज की छूट का लाभ प्राप्त करेंगी।

कॉपी, किताब एवं स्टेशनरी का विक्रय होम डिलेवरी से होगा

धारा-144 के तहत आदेश जारी

ग्वालियर। कोविड-19 के तहत जिले में लागू लॉकडाउन अवधि हेतु जारी विस्तृत गाइडलाइन के तहत जारी आदेशों की शनिवार को समीक्षा उपरांत कॉपी, किताब, स्टेशनरी का विक्रय होम डिलेवरी के माध्यम से करने का आदेश जारी किया गया है। अपर जिला मजिस्ट्रेट श्री किशोर कन्याल द्वारा धारा-144 दंड प्रक्रिया संहिता के तहत जारी आदेश में उल्लेख किया गया है। पूर्व में लॉकडाउन अवधि हेतु जो जारी विस्तृत गाइडलाइन के तहत जो आदेश जारी किए गए थे, उनकी समीक्षा उपरांत कॉपी, किताब, स्टेशनी एवं स्टडी मटेरियल का विक्रय होम डिलेवरी के माध्यम से किया जा सकेगा। जबकि पान, तम्बाकू, गुटखा आदि का विक्रय एवं सार्वजनिक स्थलों पर इनका सेवन पूर्ववत प्रतिबंधित रहेगा। यह आदेश 16 मई 2020 की रात्रि 12 बजे से आगामी आदेश तक प्रभावशील रहेगा। आदेश के उल्लंघन की दशा में भारतीय दण्ड संहिता 1860 की धारा-188 एवं आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की धारा-51 से 60 में वर्णित अनुसार दण्डात्मक प्रावधानों के अंतर्गत कार्रवाई की जायेगी।

क्रिकेट पर छाया आर्थिक संकटः बीसीसीआई ने कहा- खिलाड़ियों की सैलरी में कटौती आखिरी विकल्प, दूसरे खर्चों में भी कमी करेंगे

- कोरोनावायरस के कारण अनिश्चितकाल के लिए आईपीएल टाला गया, टूर्नामेंट रद्द होने से 4 हजार करोड़ रु. का नुकसान होगा
- बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष धूमल बोले- कहीं से कुछ नहीं होगा, तब आखिर में खिलाड़ियों के वेतन कटौती की सोचेंगे

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कोरोनावायरस के कारण दो महीने से क्रिकेट नहीं खेला गया। ऐसी स्थिति में ऑस्ट्रेलिया समेत कई क्रिकेट बोर्ड ने आर्थिक संकट के कारण खिलाड़ियों के वेतन में कटौती की है। इसी बीच भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने खिलाड़ियों की सैलरी में कटौती नहीं करने का फैसला किया है। बोर्ड के कोषाध्यक्ष अरुण धूमल ने कहा कि नुकसान की भरपाई अन्य खर्चों से करने की कोशिश की जाएगी। कोरोनावायरस के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया गया है। हाल ही में धूमल ने कहा था कि आईपीएल यदि रद्द होता है, तो बोर्ड को करीब 4 हजार करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान होगा।

इस साल सिर्फ भारत-ऑस्ट्रेलिया सीरीज ही हो सकती है

क्रिकेट जानकारों की मानें तो इस साल सिर्फ भारत-ऑस्ट्रेलिया सीरीज ही संभव दिख रही है, जो नवंबर-दिसंबर में होगी। टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 4 टेस्ट और 3 वनडे की सीरीज खेलना है। इस साल सितंबर में दुबई में पाकिस्तान की मेजबानी में एशिया कप और फिर 18 अक्टूबर से 15 नवंबर तक ऑस्ट्रेलिया में टी-20 वर्ल्ड कप होना है। कोरोना के कारण यह दोनों टूर्नामेंट का होना संभव नहीं लग रहा है।

आईपीएल के तौर पर बड़ा नुकसान होगा

धूमल ने कहा, अभी हमने खिलाड़ियों के वेतन में कटौती करने के बारे में नहीं सोचा है। हमें उम्मीद है कि वित्तीय संकट के बीच हम इस पर काबू पा सकेंगे, लेकिन यह बात भी सही है कि आईपीएल के तौर पर बीसीसीआई को बड़ा नुकसान हो सकता है। जब भी इस तरह की कोई परिस्थिति बनती है, तो हम इस बारे में (वेतन कटौती) सोचने लगते हैं, लेकिन यह एक आखिरी रास्ता होता है। फिलहाल, हम इस रास्ते पर जाने की बजाय इसे दूसरे खर्चों से मैनेज करने की सोच रहे हैं।

कर्मचारियों के खर्चे को कम करेंगे

कोषाध्यक्ष ने कहा, अब तक खिलाड़ियों को लेकर इस बारे में कुछ नहीं सोचा है, लेकिन कर्मचारियों और अधिकारियों के खर्चे में कटौती के बारे में विचार किया जा रहा है। इस प्रक्रिया को लेकर काम भी शुरू कर दिया गया है। जहां भी खर्चे में कटौती की गुंजाइश होगी, चाहे यात्रा को लेकर, आवास हो या कर्मचारियों को लेकर हो, सभी पर ध्यान दिया जा रहा है। लॉकडाउन के बाद क्रिकेट को लेकर धूमल ने कहा, निश्चित तौर पर हम इस दिशा में काम कर रहे हैं। फिलहाल, लॉकडाउन को देखते हुए कोचिंग और सपोर्ट स्टॉफ शारीरिक फिटनेस को लेकर जो कुछ कर सकते हैं, वे कर रहे हैं। आगे यदि लॉकडाउन में कुछ छूट मिलती है, तो हम क्रिकेट को पटरी पर लाने के लिए प्लान के बारे में सोचेंगे। यदि यात्रा प्रतिबंध हटता है, तो बहुत कुछ हो सकता है। यदि यह भी संभव नहीं हुआ तो हम खिलाड़ियों को किसी एक अच्छे स्टेडियम में ट्रेनिंग की सुविधा उपलब्ध करा सकें, इस पर भी विचार कर रहे हैं।

ट्रेनिंग सेशन में कप्तान कोहली और रोहित का शामिल होना मुश्किल

दो महीने के लॉकडाउन के बाद टीम इंडिया 18 मई से दोबारा आउटडोर प्रैक्टिस शुरू कर सकती है। लेकिन, टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली और वनडे टीम के उप-कप्तान रोहित शर्मा का ट्रेनिंग सेशन में शामिल होना मुश्किल है। यह दोनों फिलहाल मुंबई हैं। जहां कोरोना की वजह से हालत खराब है। महाराष्ट्र में 27 हजार 524 कोरोना पॉजिटिव मरीज सामने आ चुके हैं, जबकि मरने वालों की संख्या एक हजार को पार कर गई। अकेले मुंबई में संक्रमण के 16 हजार से ज्यादा मामले हैं और 621 मौतें हुई हैं। ऐसे में यहां लॉकडाउन में ढील दिए जाने की संभावना कम है। बीसीसीआई कोषाध्यक्ष अरूण धूमल ने न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में कहा कि मुंबई में अभी भी कड़ी पाबंदियां हैं, ऐसे में कोहली और रोहित जैसे खिलाड़ियों को छूट मिलना मुश्किल है। उन्हें कुछ दिन और घर में ही रहना पड़ सकता है। हालांकि, जहां स्थिति नियंत्रण में हैं। वहां खिलाड़ी आउटडोर प्रैक्टिस शुरू कर सकते हैं। धूमल ने कहा कि नेशनल क्रिकेट एकेडमी यानी एनसीए भी खिलाड़ियों के लिए पोस्ट लॉकडाउन प्लान बना रहा है। ताकि पाबंदियों के बीच भी खिलाड़ी अपनी प्रैक्टिस जारी रख सकें।

सौरव गांगुली ने 23 अक्टूबर 2019 को बीसीसीआई अध्यक्ष का पद संभाला था

सौरव गांगुली में गजब की है काबिलियत, उनका आईसीसी अध्यक्ष बनना सच हो सकता है: गावर

- भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने 23 अक्टूबर 2019 को बीसीसीआई अध्यक्ष का पद संभाला था

नई दिल्ली ■ एजेंसी

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान डेविड गावर ने कहा कि बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली में गजब की काबिलियत है। उन्होंने कहा कि गांगुली इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के अध्यक्ष बन सकते हैं। यह कभी भी सच हो सकता है। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने 23 अक्टूबर 2019 को बीसीसीआई अध्यक्ष का पद संभाला था। गावर ने ट्विटर पर फैन्स से बात करते हुए कहा, मैं आपको सौरव के बारे में क्या बता सकता हूं? मैं कई सालों से उनके साथ चैटिंग करता आ रहा हूं। वे वास्तव में बहुत ही शानदार खिलाड़ी हैं। उनके रिकॉर्ड ही उनकी शानदार काबिलियत के बारे में सबकुछ बता देते हैं। पूर्व इंग्लिश कप्तान ने कहा, मैंने कई सालों में सिर्फ एक बात सीखी है। वह यह है कि बीसीसीआई चलाने के लिए आपको कई सारी चीजों का ज्ञान होना चाहिए। उसी प्रतिष्ठा के साथ उन्होंने बहुत अच्छी शुरूआत की थी। इस जिम्मेदारी के लिए आपको विनम्र राजनीतिज्ञ होना भी जरूरी है। आपको लाखों अलग-अलग चीजों पर नियंत्रण करना आना चाहिए। सौरव को बीसीसीआई अध्यक्ष के तौर पर एक मुश्किल चार्ज मिला है, लेकिन मेरा मानना है कि यह बहुत अच्छे संकेत हैं।

गांगुली में बेहतरीन राजनीतिक कौशलता

गावर ने कहा, मेरा मानना है कि वे (गांगुली) बहुत अच्छे इंसान हैं। उनमें बेहतरीन राजनीतिक कौशलता है। मेरे हिसाब से उनके पास सही नजरिया है। उन्होंने अब तक मिलकर अच्छा काम किया। आगे भी करेंगे। लेकिन, आप भविष्य में बीसीसीआई के अध्यक्ष के तौर पर अच्छा काम करेंगे, यह कोई जानता है क्या? मैं कहना चाहता हूं कि यह बहुत महत्वपूर्ण नौकरी है। बीसीसीआई चलाने के लिए बहुत ईमानदार होना पड़ेगा। आईसीसी का प्रमुख होना बहुत सम्मान की बात है। इसके द्वारा कई महत्वपूर्ण काम किए जा सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 5वां अतिरिक्त टेस्ट संभव नहीं

भारतीय टीम को साल के आखिरी में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 4 टेस्ट और 3 वनडे की सीरीज खेलना है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बीसीसीआई से 5 टेस्ट का प्रस्ताव रखा है। इस पर गांगुली ने शुक्रवार को कहा कि यह संभव नहीं है। बीसीसीआई अध्यक्ष ने कहा, ह्यहमुझे नहीं लगता कि भारतीय टीम के लिए यह संभव हो पाएगा। वहां तीन वनडे खेलने हैं।

आईपीएल नहीं होने से 4 हजार करोड़ का नुकसान होगा

कोरोनावायरस के कारण आईपीएल को अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया गया है। साथ ही ऑस्ट्रेलिया समेत कई क्रिकेट बोर्ड वित्तीय संकट से भी गुजर रहे हैं। इस पर बीसीसीआई अध्यक्ष ने कहा, हमें देखना होगा कि हमारी वित्तीय स्थिति क्या है और हमारे पास कितना धन बचा है। यदि आईपीएल की मेजबानी नहीं कर पाए तो करीब 4 हजार करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान होगा।

मुक्केबाज पंघाल ने खेल मंत्री से चयन प्रक्रिया बदलने की मांग की

खिलाड़ी को अवॉर्ड के लिए गिड़गिड़ाना न पड़े: पंघाल

- अमित पंघाल ने खेल मंत्री को चिट्ठी लिखकर राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों की चयन प्रक्रिया से सेल्फ नॉमिनेशन को हटाने को कहा है
- पंघाल के मुताबिक, मौजूदा प्रक्रिया पारदर्शी नहीं, कई उदाहरण हैं, जिसमें योग्य खिलाड़ियों को पुरस्कार हासिल करने के लिए कोर्ट जाना पड़ा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

वर्ल्ड बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में सिल्वर जीतने वाले देश के पहले पुरुष मुक्केबाज अमित पंघाल ने खेल मंत्री किरिन रिजिजू से राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों की चयन प्रक्रिया में बदलाव की गुजारिश की है। इस संबंध में पंघाल ने उन्हें चिट्ठी लिखी है। इसमें उन्होंने मौजूदा व्यवस्था को भेदभावपूर्ण बताते हुए कहा कि किसी भी खिलाड़ी को अवॉर्ड के लिए गिड़गिड़ाना न पड़े।

पंघाल ने कहा कि मौजूदा व्यवस्था में सबसे पहले खिलाड़ी को खुद या नेशनल फेडरेशन, स्पोर्ट्स बोर्ड या पूर्व में पुरस्कार जीत चुके लोगों के जरिए नामांकन भेजना होता है। इसके बाद खेल मंत्रालय? द्वारा चुना गया पैनल पॉइंट सिस्टम के आधार पर विजेताओं के नाम को फाइनल करता है। इसमें ओलिंपिक और वर्ल्ड चैम्पियनशिप में पदक को ज्यादा तरजीह दी जाती है। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है। कई ऐसे उदाहरण हैं, जिसमें योग्य होने के बाद भी खिलाड़ियों को पुरस्कार हासिल करने के लिए कोर्ट जाना पड़ा।

इस बार पुरस्कार मिलने की उम्मीदः पंघाल

उन्होंने कहा कि सेना इस बार भी मेरा नाम अर्जुन पुरस्कारों के लिए भेजेगी। ऐसे में मुझे उम्मीद है कि डोपिंग के उल्लंघन का 8 साल पुराना मामला इसके आड़े नहीं आएगा। मैं लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा हूं। इसलिए मुझे लगता है कि मैं यह पुरस्कार पाने के लिए योग्य हूं। बता दें कि एशियन गेम्स में गोल्ड जीतने वाले इस मुक्केबाज का नाम दो बार अर्जुन अवॉर्ड के लिए भेजा गया है। लेकिन डोपिंग के उल्लंघन की वजह से उनके नाम पर कभी विचार नहीं किया गया। पंघाल को 2012 में चेचक हो गया था। इसके इलाज के दौरान उन्होंने ऐसी दवाओं का सेवन किया था, जो प्रतिबंधित है।

खेल मंत्रालय के पास हर खिलाड़ी की जानकारी

सेना में सूबेदार पंघाल ने कहा कि खेल मंत्रालय और स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के पास हर खिलाड़ी का डेटा होता है। उन्हें पता है कि कौन पुरस्कार के लिए योग्य है और कौन अयोग्य? उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि इस साल अगर नहीं तो अगले साल ही सही। लेकिन खेल पुरस्कारों की चयन प्रक्रिया में पूरी तरह बदलाव होना चाहिए।

श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड की गुजारिश- जून-जुलाई में प्रस्तावित वनडे और टी-20 सीरीज हो

श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से तय शेड्यूल के मुताबिक जुन-जुलाई में ही वनडे और टी-20 सीरीज खेलने की गुजारिश की है। भारत को तीन वनडे और इतने ही टी-20 मैच की सीरीज खेलने के लिए जुन-जुलाई में श्रीलंका जाना है। लेकिन कोरोनावायरस महामारी की वजह से इसके रद्द होने की आशंका है।

श्रीलंका के अखबार द आयलैंड में छपी रिपोर्ट के मुताबिक, क्रिकेट श्रीलंका ने इस सीरीज को तय शेड्यूल के मुताबिक कराने को लेकर बीसीसीआई को ई-मेल भेजा है। हालांकि, भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने अब तक जवाब नहीं दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, श्रीलंका क्रिकेट से जुड़े एक पदाधिकारी ने बताया कि खिलाड़ियों और फैन्स की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए खाली स्टेडियम में मुकाबले हो सकते हैं। दोनों टीमों को क्वारैंटाइन से जुड़े नियमों का पालन करना होगा। इस मामले पर बीसीसीआई का पहले से ही रुख साफ है कि जब तक सरकार से स्पष्ट निर्देश नहीं मिलते हैं और ट्रैवल एडवाइजरी को लेकर तस्वीर साफ नहीं होती है। तब तक वह इस दौरे को लेकर जवाब नहीं दे सकती है। कोरोना की वजह से इंग्लैंड का श्रीलंका दौरा बीच में ही रद्द हो गया था। मेहमान टीम को यहां तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी थी। लेकिन महामारी की वजह से इंग्लैंट टीम दूसरे वार्म अप मैच के बाद ही वापस देश लौट गई थी।

श्रीलंका ने आईपीएल की मेजबानी की पेशकश की थी

इससे श्रीलंका को काफी नुकसान हुआ था। ऐसे में अगर जून-जुलाई में टीम इंडिया भी वहां का दौरा नहीं करती है तो इससे श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड की हालत और खराब हो जाएगी। इससे पहले क्रिकेट श्रीलंका ने अपने यहां आईपीएल कराने की पेशकश की थी। लेकिन यात्रा प्रतिबंधों की वजह से बीसीसीआई ने इससे इनकार कर दिया था।

अगले सप्ताह से अभ्यास शुरू करेंगे क्रिकेटर

लंदन। कोरोना वायरस के कारण अब तब घरों में बंद इंग्लैंड के क्रिकेटर अब अगले सप्ताह से अभ्यास शुरू करेंगे। हालात ठीक होने से क्रिकेट की भी अब शुरूआत होने जा रही है। इंग्लैंड व वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के निदेशक एश्ले जाइल्स ने कहा है कि खेल की वापसी के लिए यह शुरूआती कदम है। जाइल्स ने कहा कि इस दौरान पूरी सावधानी रखी जाएगी। इसमें गेंदबाज अलग-अलग काउंटी मैदान पर अभ्यास करेंगे और इस दौरान उनके साथ कोच, फिजियो और अगर जरूरत पड़ी तो स्ट्रेंथ ऐंड कंडीशनिंग कोच भी रहेंगे। वहीं बाकी के अन्य खिलाड़ी दो सप्ताह बाद अभ्यास पर लौटेंगे। ईसीबी सरकार के साथ संपर्क में बनी हुई है जिससे खेल की सुरक्षित वापसी में कोई परेशानी न आये। कोरोना महामारी के कारण हुए लॉकडाउन के कारण मार्च से ही यहां खेल गतिविधियां बंद हैं। ईसीबी ने कहा है कि अभी पेशेवर क्रिकेट मुकाबले एक जुलाई तक बंद रहेंगे।

पेरिस की राजधानी फ्रांस में फ्रेंच टेनिस फेडरेशन में खिलाड़ियों ने तैयारियां शुरू कर दी है। इस दौरान टीम के डॉक्टर और कोच सावधानी पूर्वक खिलाड़ियों के साथ प्रशिक्षण में जुटे है।

वर्ल्ड बैंक ने भारत को एक अरब डॉलर की मदद देने की मंजूरी दी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

वर्ल्ड बैंक ने कोरोना वायरस महामारी के संकट को देखते हुए गरीब और कमजोर परिवारों को सामाजिक सहायता देने के भारत के प्रयासों में मदद के लिए एक अरब डॉलर की सहायता को मंजूरी दी। ये सहायता भारतीय कोविड-19 सामाजिक संरक्षण प्रतिक्रिया कार्यक्रम को प्रोत्साहन के रूप में दी जाएगी। इसके साथ ही विश्व बैंक ने कोविड-19 महामारी का मुकाबला करने के लिए भारत को अब तक कुल दो अरब डॉलर देने की प्रतिबद्धता जताई है। पिछले महीने भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र की मदद के लिए एक अरब अमरीकी डालर की सहायता देने की घोषणा की गई थी। भारत में वर्ल्ड बैंक के कंट्री डायरेक्टर जुनैद अहमद ने कहा कि कोविड-19 महामारी का मुकाबला करने के लिए दुनिया भर में सरकारों को अभूतपूर्व तरीके से लॉकडाउन और सामाजिक दूरी को लागू करना पड़ा है। हालांकि, वायरस के प्रसार को रोकने के लिए किए गए इन उपायों से अर्थव्यवस्थाएं प्रभावित हुई है और खासतौर से अनौपचारिक क्षेत्र में नौकरियां प्रभावित हुई हैं।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

मुंबई ■ एजेंसी

बंबई शेयर बाजार शुक्रवार को हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन सेंसेक्स दिन भर उतार-चढ़ाव का माहौल बना रहा। सरकार के आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज के प्रति निवेशकों की बेरुखी को इसका कारण माना गया है। जानकारों के अनुसार निवेशकों को इस बात की चिंता है कि 20 लाख करोड़ रुपये के पैकेज से प्रत्यक्ष और तत्काल मांग में वृद्धि की संभावना नहीं है।

दिन भर के कारोबार के दौरान 350 से अधिक अंक टूटने के बाद 30 शेयरों वाला सेंसेक्स अंत में 25.16 अंक करीब 0.08 फीसदी

की गिरावट के साथ 31,097.73 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार, एनएसई का निफ्टी 5.90 अंक तकरीबन 0.06 फीसदी की गिरावट के साथ 9,136.85 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सबसे ज्यादा नुकसान महिंद्रा एंड महिंद्रा को हुआ। इसके शेयरों में 4 फीसदी से अधिक की गिरावट आयी। इसके अलावा एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक, हीरो मोटो कार्प, सन फार्मा और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में भी गिरावट आई है।

इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले खराब संकेतों की वजह से बाजार की कमजोर शुरूआत हुई। घरेलू निवेशकों की धारणा कमजोर होने के बीच एमएंडएम, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर घाटे में कारोबार कर रहे थे। सेंसेक्स करीब 100 की कमजोरी के साथ 31,025 के आसपास बना रहा। वहीं निफ्टी करीब 25 अंक की कमजोरी के साथ 9120 के आसपास नजर आया।

एफएमसीजी कंपनियों में नौकरियां खूब, काम करने वाले नहीं, मांगी ज्यादा लोगों को रखने की अनुमति

नई दिल्ली ■ एजेंसी

हिंदुस्तान यूनिलीवर, नेस्ले, पेप्सिको, पारले प्रॉडक्ट्स, ब्रिटानिया, आईटीसी और मॉन्डेलेज जैसी बड़ी कंज्यूमर गुड्स कंपनियों ने सरकार से अनुरोध किया है कि उन्हें ज्यादा हायरिंग करने दी जाए, ताकि वे ज्यादा उत्पादन कर सकें। दरअसल ये कंपनियां चाहती हैं कि ग्रीन और ऑरेंज जोन में कारखानों में कम से कम 75 प्रतिशत लोगों को काम पर बुलाने की इजाजत दी जाए। अभी यह लिमिट 33 फीसदी है।

कंपनियां यह भी चाहती हैं कि रेड जोन में कंटेनमेंट एरिया के बाहर के कारखानों या इकाइयों में यह लिमिट 50-60 प्रतिशत की हो। कंपनियों ने सरकार के पास यह संदेश कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) के जरिए भेजा है। खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय के अलावा सप्लाई चेन एंड लॉजिस्टिक्स पर बनाई गई उच्चस्तरीय समिति को संबोधित इस पत्र में कहा गया है कंपनियां कामकाज बढ़ाने की राह पर हैं। लिहाजा दैहिक दूरी बनाए रखने के नियमों के दायरे में ही कामगारों की मौजूदगी बढ़ाने की सख्त जरूरत है ताकि खाने-पीने की जरूरी चीजों की उपलब्धता बढ़ाई जा सके।

इस पत्र में कारखाना कानून में ढील देने की मांग भी की गई है। इसमें कहा गया है कि सरकार ओवरटाइम पेमेंट की व्यवस्था के साथ 12 घंटे कामकाज की इजाजत सभी राज्यों में दे। अभी 8 घंटे का वर्क शेड्यूल होता है। पत्र में कहा गया है कि यह कदम कामगारों की सहमति से उठाया जाना चाहिए और ओवरटाइम सामान्य वेतन के अनुपात में दिया जाएगा।

ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज के एमडी वरुण बेरी ने कहा लेबर वर्कफोर्स पर्सेंटेज पर पाबंदी क्यों रहनी चाहिए? साथ ही, वर्कओवर पर रिलीफ राष्ट्रीय स्तर पर देनी चाहिए, न कि अलग-अलग राज्यों के लिए यह अलग-अलग होनी चाहिए। इससे कंज्यूमर डिमांड की पूर्ति करने में मदद मिलेगी। हमारा अनुरोध है कि इस मामले में एक स्टैंडर्ड ढील ऑपरेटिंग प्रोसीजर बनाया जाए।

मनोबल बढ़ाने — एमडी व सीईओ अमित सिंगले ने कहा- मौजूदा स्थिति हर कर्मचारी से जुड़ने और उनकी चिंता दूर करने का एक अवसर

स्टाफ की छंटनी और वेतन कटौती के दौर में भी एशियन पेंट्स ज्यादा सैलरी देकर कर्मचारियों का हौसला बढ़ा रही

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देश की सबसे बड़ी पेंट्स निमार्ता कंपनी एशियन पेंट्स कर्मचारियों को मनोबल बढ़ाने के लिए उनके वेतन बढ़ा रही है। कंपनी ऐसे समय कर्मचारियों के वेतन बढ़ा रही है, जब उद्योग जगत मोटे तौर पर मांग में आई गिरावट को देखते हुए कर्मचारियों की संख्या और उनके वेतन घटाने में लगी हुई है। कंपनी अपने सेल्स चैनल को जिस प्रकार के सहयोग दे रही है, उसमें हॉस्पिटलाइजेशन और बीमा, पार्टनर स्टोर के लिए सैनिटाइजेशन की पूरी सुविधा और सीधे नकद सहायता शामिल है। कंपनी ने अपने कार्ट्रैक्टर्स के खाते

में 40 करोड़ रुपए भी हस्तांतरित किए हैं। कंपनी के एमडी और सीईओ अमित सिंगले ने कहा कि हमने सही नेतृत्व और अपने सभी पक्षकारों के हितों का ध्यान रखने वाले संगठन का उदाहरण खड़ा किया है। इन सभी कदमों की जानकारी मैं बोर्ड को देता रहा हूं और इनके लिए बोर्ड से मंजूरी भी लेता रहा हूं।

कंपनी वायरोप्रोटेक ब्रांड नाम से हैंड और सरफेस सैनिटाइजर भी बना रही

कंपनी ने केंद्र और राज्य सरकारों के कोविड-19 राहत कोष में 35 करोड़ रुपए का योगदान किया है। कोरोनावायरस से लड़ने में देशवासियों को मदद करने के लिए कंपनी सैनिटाइजर भी बना रही है। इसके लिए कंपनी को रसायन मंत्रालय ने प्रेरित किया था। कंपनी वायरोप्रोटेक ब्रांड नाम से हैंड और सरफेस सैनिटाइजर बना रही है। इन उत्पादों के साथ कंपनी ने हेल्थ और हाइजीन सेगमेंट में भी कदम रख दिया है। इस सेगमेंट में कंपनी के पास रॉयल हेल्थ शील्ड भी है, जो एक एंटी बैक्टेरियल और एंटी अस्थमा पेंट है।

कंपनी का रिटर्न ऑन इक्विटी ट्रैक रिकॉर्ड काफी अच्छा है

एशियन पेंट्स का रिटर्न ऑन इक्विटी (आरओई) ट्रैक रिकॉर्ड काफी अच्छा है। इसका तीन साल का आरओई 25.49 फीसदी है। कंपनी ने 46 फीसदी का बेहतरीन लाभांश भुगतान कायम रखा है। हालांकि पिछले पांच साल से कंपनी की बिक्री में सालाना 9.62 फीसदी और लाभ में सालाना 12 फीसदी की दर से बढ़ोतरी हुई है।

क्रूड की कीमत में गिरावट से कंपनी को फायदा हुआ

क्रूड की कीमत में गिरावट से कंपनी को फायदा हुआ है, क्योंकि कंपनी के रॉ मटीरियल लागत में 30-35 फीसदी योगदान क्रूड ऑयल डेरिवेटिव्स का होता है। फिर भी कोविड-19 के कारण जो बाजार में बदलाव हुआ है, उससे सेल्स वॉल्यूम और प्राइसिंग को बड़ा धक्का लगेगा। कंपनी के शेयर अभी अपने बुक वैल्यू के 14.51 गुना पर और कारोबारी साल 22 के अनुमानित पीई के 47 गुना पर ट्रेंड कर रहे हैं। सिंगले ने कहा कि कंपनी नकदी के प्रवाह को लेकर सतर्क है। वह जहां भी संभव है खर्च को बाद के लिए टाल रही है। हम कई साल से कर्ज मुक्त कंपनी हैं।

शहर के विभिन्न कारोबारी संगठनों के प्रतिनिधियों से चेम्बर ने किया मंथन

संगठनों के प्रतिनिधि बोले-निर्धारित समय अवधि के लिए सभी व्यवसायों को खोला जाये, सुरक्षा मानकों का रखें पूरा ध्यान, करेंगे प्रशासन का पूर्ण सहयोग

ग्वालियर। मंथन कार्यक्रम के तहत शहर के विभिन्न कारोबारी संगठनों के प्रतिनिधियों से आज चेम्बर ने मंथन किया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक एवं चेम्बर के पूर्व मानसेवी सचिव-श्री रमेश अग्रवाल सहित विभिन्न कारोबारी संगठनों के प्रतिनिधि व चेम्बर पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में चेम्बर अध्यक्ष-विजय गोयल ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि कोरोना महामारी के बीच चेम्बर निरंतर व्यापार-उद्योग की समस्याओं के निराकरण के साथ ही अपने सामाजिक दायित्व का भी निर्वाहन कर रहा है। सामाजिक दायित्व का निर्वाहन करते हुए जहां हमने 5000 फूड बैग जिला प्रशासन के सहयोग से विभिन्न बस्तियों में जरूरतमंदों तक पहुंचायें। वहीं जिला प्रशासन, राज्य शासन एवं केन्द्र शासन से निरंतर पत्राचार कर व्यापार-उद्योग जगत के लिए राहत की मांग करता आ रहा है। चेम्बर ने मोबाइल एप का निर्माण व्यापारिक हित को देखते हुए ही कराया है आप इस पर स्वयं को रजिस्टर कर, अपने कारोबार को डिजिटल प्लेटफार्म दे सकते हैं। मंथन कार्यक्रम भी आपकी समस्याओं को निरंतर जानकर उन्हें समाधान कराने के लिए शुरू किया है। संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल ने कहा कि बाजार खुलना अब अनिवार्य हो गया है, इसे खुलवाने के लिए चेम्बर निरंतर प्रयासरत है। आज आपके जो भी सुझाव आयेंगे उन्हें हम जिला प्रशासन के समक्ष रखेंगे। उपाध्यक्ष-पारस जैन ने कहा कि हमें व्यापार के साथ ही, अपनी व स्टाफ की सुरक्षा का भी ध्यान रखना होगा क्योंकि इस बीमारी का पता 5 से 7 दिन बाद पता लगता है, इसलिए हमें व्यापार व घर के बीच रहने के लिए एक सुरक्षात्मक सिस्टम बनाना ही होगा। कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल ने कहा कि अब 60 दिन का समय हो गया है, अब हम हमें कोरोना के बीच ही अपनी आजीविका चलानी होगी। अब सारे व्यापार खुलना चाहिए, फिर चाहे सीमित अवधि के लिए ही खुलें। पूर्व विधायक एवं चेम्बर के पूर्व मानसेवी सचिव-श्री रमेश जी अग्रवाल ने कहा कि विगत दिवस प्रदेश के मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत व कलेक्टर महोदय के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चर्चा में हमने यह मांग रखी है कि बाजार प्रात: 10 से 7 बजे तक खोले जायें ताकि व्यापार सुगमता से हो सके। सीमित अवधि में भीड़ भी होती है और व्यापार भी नहीं हो पता है। व्यापारी अब लॉकडाउन से काफी परेशान हो चुका है क्योंकि उसे दुकान का किराया, बैंक का ब्याज, स्टाफ को वेतन जैसे खर्चों का बोझ है, जिसे वह अब बिना व्यापार के सहन नहीं कर सकता है। माननीय मंत्री जी ने कहा है कि वह मुख्यमंत्री जी को व्यापारियों की पीड़ा बतायेंगे और इसका समाधान करायेंगे। मंथन कार्यक्रम में ग्वालियर लोहा व्यवसायी संघ के अध्यक्ष-संजय कट्ठल, सचिव- निर्मल जैन, सिंध व्यापार मण्डल से दिलीप पंजवानी, नजरबाग मार्केट के अध्यक्ष-सुरेश बंसल, टिम्बर व्यवसायी संघ से आशीष जैन, वस्त्र व्यवसायी संघ से राकेश बंसल, अभिनंदन जैन, गांधी मार्केट से चावला जी, थोक कपड़ा व्यवसायी संघ से रोशन गाबरा, ग्वालियर होलसेल क्लॉथ एसोसिएशन के सचिव-विजय जाजू, डेयरी व्यवसाय संघ से-दिलीप अग्रवाल, नमकीन व्यवसाय से विष्णु बसंल, ग्रेटर ग्वालियर सेनेटरी डीलर एसोसिएशन के अध्यक्ष-आशुषतोष द्विवेदी, होटल हलवाई संघ के के अध्यक्ष-महेश शर्मा, इलेक्ट्रिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष-संजय कुमार अग्रवाल, पान विक्रेता एसोसिएशन से प्रदीप गोयल, कृषि उपज मण्डी एसोसिएशन के रूपेश गोयल, खेरीज किराना व्यवसायी संघ से दिलीप खण्डेलवाल, ट्रांसपोर्ट व्यवसाय एसोसिएशन से लेखराज रावल, ग्वालियर मोबाइल ट्रेड एसोसिएशन से नितिन कालानी, सर्राफा व्यवसायी संघ ग्वालियर के अध्यक्ष-जवाहर जैन, रेडीमेड होलसेल व्यवसायी संघ से गोपाल जायसवाल, टोपी बाजार संघ से संदीप वैश्य, बर्तन व्यवसायी संघ से रामअवतार, सुभाष मार्केट एसोसिएशन से गोपाल छावड़ा आदि ने एक राय होकर कहा है कि-

1. शहर के सभी व्यवसायों को प्रातः 10 से सायं 7 बजे तक खोला जाये।
2. व्यापारी कोविड-19 के सुरक्षा मानकों का खुद भी प्रयोग करेंगे और ग्राहकों से भी करवायेंगे।
3. शहर के सभी व्यवसायिक संगठन अपने बाजार में सोशल डिस्टेंसिंग व प्रशासन के सभी निर्देशों का कडाई से पालन करायेंगी।
4. शहर की थोक व खेरीज सभी प्रकार के व्यसाय को नियमित रूप से खोला जाये ताकि व्यापार में चलाने में आसानी हो।
5. धारा-144 के आदेश के तहत जो गाइडलाइन जिलाधीश महोदय जारी करें, उसे पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ से लेकर कनिष्ठ अधिकारी तक अवलोकन करें ताकि आदेश का सही पालन हो सके और व्यापारियों को भी अपने कारोबार में परेशानी न आये।
6. लोडिंग-अनलोडिंग के लिए प्रशासन समय व स्थान चिन्हित करे ताकि बाजारों में भीड़ को नियंत्रित किया जा सके।
7. ठेले वालों का बाजारों में सुबह व शाम का निर्धारित किया जाये ताकि बाजारों में भीड़ न हो।

बैठक का संचालन कर रहे मानसेवी सचिव ने कहा कि आज के मंथन कार्यक्रम में आये सुझावों को कलेक्टर महोदय के समक्ष रखा जायेगा। अपने कहा कि माध्यम एप की लिंक आप सभी को भेजी जायेगी ताकि आप सभी इस एप को डाउनलोड करें और इस लिंक को आगे भी फॉरवर्ड करें ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इस एप के माध्यम से अपने व्यापार को बढा सकें। आपने व्यापारियों से आव्हान किया कि हमें इस महामारी से लड़ने के लिए वैज्ञानिक सोच अपनानी होगी हौर सुरक्षा मानकों का पूरा ध्यान रखना होगा।

श्री शारदा विद्यापीठ हाई सेकेंडरी स्कूल में लगा निःशुल्क चिकित्सा शिविर

कृतिका राठौड़

ग्वालियर के.एस.होमियोपैथिक मेडिकल कॉलेज द्वारा श्री शारदा विद्यापीठ हायर सेकेंडरी स्कूल में निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया शिविर में शहर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉक्टर रविंद्र कुशवाह तथा डॉक्टर मनीष श्रीवास्तव एवं डॉ अमित आर्य द्वारा थर्मल स्क्रीनिंग कर कोरोना वाइरस से बचाव हेतु आयुष विभाग की दवाइयाँ वितरित की गयी इसमें त्रिकटु चूर्ण, गिलोय घनवटी, जड़ी बूटियों वाला नासिका छिद्र में लगाने का तेल , महिलाओं को आयरन की कमी को दूर करने के लिए आयरन एवं फोलिक एसिड के सिरप,एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए होम्योपैथिक दवाइयां भी दी गई। शिविर में सोशल डिस्टन्सिंग का पालन करते हुए लोगों को दवा वितरित की गयी इस अवसर पर कोरोनावायरस से बचने एवं रोकथाम कैसे की जाए इस पर भी प्रकाश डाला गया। शिविर का आयोजन समाज सेविका एवं महिला मोर्चा जिला महामंत्री श्रीमती रेशू राजावत ने किया। इस शिविर में स्कूल के संचालक ओके सिंह,डॉ सी बी शर्मा जी, डॉ अनिल सिंह सिकरवार, पिछड़ा वर्ग मोर्चा के अध्यक्ष डॉ बलराम बघेल, भगत सिंह मंडल के उपाध्यक्ष प्रमोद शर्मा, दिनेश यादव एवं युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष ज्ञानेंद्र भदोरिया, मनीष शर्मा, प्रदीप शर्मा, जांबाज सैनिक के पूर्व जिला उपाध्यक्ष चंद्रवीर चौहान जी, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के जिला उपाध्यक्ष अरविंद सिंह तोमर, एडवोकेट बंटी शर्मा जी, समाजसेवी केशव सिंह परमार, कप्तान सिंह सिकरवार, सुखदेव सिंह भदोरिया, गजेंद्र सिंह भदोरिया, कृष्णपाल सिंह भदौरिया आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ मध्यप्रदेश परिवार द्वारा आज सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए चन्द्र वदनी नाका, सखा विलास, निकासा, अमान का पुरा, लक्ष्मीगंज, करारा, कटी घाटी, गोल पहाड़ियां, शंकर कॉलोनी, घासमंडी, इंद्रा नगर में निवासरत अति जरूरत मंद

20 परिवारों को खाद्य सामग्री वितरित की गई

ग्वालियर। आज हमारा देश इस कोरोना के संकट से जुझ रहा है, हर आदमी अपने स्तर पर अपना योगदान देकर इस महामारी से जंग लड़ रहा है, हमारा प्रजापति समाज का ज्यादातर तबका गरीब, मजदूर एवं बेरोजगार है। राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ मध्यप्रदेश परिवार ऐसे परिवारों के लिये दृढ़ संकल्पित है कि मेरा कोई भी भाई भूखा ना रहे कोरोना महामारी इस लड़ाई में मानव समाज के लिये समर्पित हमारे माननीय प्रदेशाध्यक्ष ख्यालेन्द्र प्रजापति जी, प्रदेश सचिव गणेश प्रजापति जी, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रजापति जी, जिलाध्यक्ष अशोक प्रजापति जी एवं जिला उपाध्यक्ष रवि प्रजापति जी (रिपोर्टर) एवं हरीसिंह प्रजापति जी की उपस्थिति में आज सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए अति जरूरत मंद 10 परिवारों (निराश्रित, विधवा, विकलांग, किसी दुर्घटना में हुआ परिवार) को खाद्यान्न सामग्री (आटा, चावल, शक्कर, दाल, पोआ, नमक, सोयबरी, चाय, हल्दी, धनिया, मिर्च, गर्म मसाला, सरसो का तेल, साबुन नहाने धोने का, सर्फ, बिस्कुट नमकीन मीठा, सब्जी में आलू, प्याज, मिर्च धनिया) खाद्य सामग्री के पैकेट वितरित की गई। एवं 10 परिवारों को 5 किलो आटा वितरण किया गया। हम सबको मिलकर इस लड़ाई को लड़ना है, आप सभी का योगदान अति महत्वपूर्ण हैं, जरूरत मंदो की सहायता करे। आप सभी से आग्रह कि सोशल डिस्टेंसिंग को बनाये रखते हुये अपने घरों मे रहकर लॉक डाउन का पालन करे। **कोरोना हारेगा, भारत जीतेगा**

विद्यार्थी, शिक्षक एवं अभिभावक लॉकडाउन के अनुभवों को करेंगे साझा

ग्वालियर। लॉकडाउन अवधि में संभावित लर्निंग लॉस को ध्यान में रखते हुए शिक्षा विभाग द्वारा डिजिटल लर्निंग के विभिन्न माध्यमों का उपयोग कर शैक्षणिक कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिये संचालित किये जा रहे कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सामग्री का शिक्षकों द्वारा परिवीक्षण कराने एवं अभिभावकों को भी बच्चों को शिक्षा में रूचि पैदा करने के प्रयास के क्रम में 17 मई से नया कार्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है। लगभग एक माह तक प्रति सप्ताह एक विषय पर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी, जिसमें विद्यार्थी, शिक्षक तथा अभिभावक प्रतिभागिता करेंगे। इस संबंध में आयुक्त, राज्य शिक्षा केन्द्र श्री लोकेश कुमार जाटव ने सभी जिलों के जिला शिक्षाधिकारी एवं जिला परियोजना समन्वयकों को निर्देश दिये हैं।

लॉकडाउन डायरी-लॉकडाउन डायरी विषय पर प्रथम सप्ताह 17 से 23 मई तक विद्यार्थियों के लिये आयोजित प्रतियोगिता में 2 समूह भाग लेंगे। प्रथम समूह में कक्षा 6वीं से 8वीं तथा द्वितीय समूह में 9वीं से 12वीं कक्षा के विद्यार्थी शामिल होंगे। प्रथम समूह के विद्यार्थी 100 से 150 शब्दों तथा द्वितीय समूह के विद्यार्थी 200 से 250 शब्दों में लॉकडाउन अवधि के अनुभवों को सुलेख के रूप में लिखकर प्रेषित करेंगे।

पीढ़ियों का ज्ञान-पीढ़ियों का ज्ञान विषय पर द्वितीय सप्ताह में 24 से 30 मई तक आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के घर के वरिष्ठ सदस्य जैसे-दादा-दादी, नाना-नानी, ताऊ-ताई भाग लेंगे। वरिष्ठ सदस्य एक से दो पेज में अपने जीवन के ऐसे अनुभवों को लिखकर भेजेंगे जिसमें कभी कोरोना संकट जैसे अन्य राष्ट्रीय या वैश्विक संकट का सामना करना पड़ा हो तो उस समय समाज ने उसका कैसे सामना किया था। वर्तमान लॉकडाउन में उन्होंने कैसे अपने घर/परिवार के विद्यार्थी बच्चों को अनुभवों की सीख प्रदान की या उन्हें शैक्षिक प्रोत्साहन प्रदान किया।

परवरिश (विद्यार्थियों को पालकों का सहयोग)-प्रति सप्ताह परवरिश विषय पर आयोजित प्रतियोगिता 31 मई से 6 जून तक आयोजित की जायेगी, जिसमें विद्यार्थियों के माता-पिता या पालक या अभिभावक भाग लेंगे। इसमें उन्हें एक से दो पेज में कोरोना संकट के लॉकडाउन के समय में अपने बच्चों को शैक्षिक और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने में किए गए सहयोग से संबंधित, अनुभव साझा करने होंगे।

नया हुनर मैंने सीखा

चौथे सप्ताह में नया हुनर मैंने सीखा विषय पर सभी कक्षाओं के विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। इसमें विद्यार्थी लॉकडाउन अवधि में सीखी गई रचनात्मक या पारम्परिक गतिविधियों जैसे- कोई नया खेल, चित्रकला, लेखन, अभिनय, नृत्य, लोक-कला, गायन-वादन, पाक कला, गृह उपयोगी कार्य, तकनीकी कौशल आदि के बारे में एक पैराग्राफ में लिखकर उस कार्य में स्वयं की संलग्नता का एक फोटो भी प्रेषित करेंगे। सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिये आयोजित इस गतिविधि में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दृष्टि से विषय रखे गये हैं। इस गतिविधि में सहभागिता के लिये विद्यार्थी अपने आसपास या परिवार में उपलब्ध संसाधनों अथवा अवसरों से सीखने के लिये प्रेरित होंगे।

शैक्षिक नवाचार-शैक्षिक नवाचार विषय पर पाँचवें सप्ताह में 14 से 20 जून तक आयोजित इस प्रतियोगिता में शिक्षकों द्वारा लॉकडाउन की अवधि में अपनाई गई नवाचारी शैक्षिक गतिविधियों अथवा स्वयं की क्षमता संवर्धन के लिये किये गये कार्यों को अधिकतम ए-4 आकार के 2 टंकित पेज अथवा हस्तलिखित ढाई पेजों में लिखकर प्रेषित करना होगा।

प्रतियोगिता में प्रविष्टि के लिये अपने एक फोटो और व्यक्तिगत विवरण जैसे- नाम, पदनाम, पदस्थ संस्था/स्कूल, स्मार्ट मोबाइल नम्बर एवं पते के साथ व्हाट्स एप नम्बर 9968556947 पर संबंधित प्रतियोगिता की अंतिम तिथि तक प्रेषित कर सकेंगे।

ग्वालियर एवं चंबल संभाग से 9 हजार 800 से अधिक श्रमिकों को भेजा उनके घर

ग्वालियर। कोविड-19 के संक्रमण को रोकने हेतु देश में लागू लॉकडाउन के तहत देश के विभिन्न राज्यों में प्रदेश के एवं सीमावर्ती राज्यों के फँसे प्रवासी श्रमिकों को उनके घरों तक पहुँचाने की व्यवस्था मध्यप्रदेश सरकार द्वारा की गई है। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशों के तहत ग्वालियर एवं चंबल संभाग के जिलों में पहुँचने वाले प्रवासी श्रमिकों को थर्मल स्क्रीन कर ठहरने, भोजन, पानी आदि की व्यवस्था के साथ प्रदेश के गृह जिलों तथा पड़ोसी राज्यों की सीमाओं तक भेजने के लिये स्थानीय जिला प्रशासन द्वारा विशेष प्रबंध किए गए हैं। ग्वालियर एवं चंबल संभाग के सभी 8 जिलों से शनिवार को 9 हजार 800 से अधिक श्रमिकों को विशेष बसों से उनके गृह जिलों एवं पड़ोसी राज्य की सीमा तक भेजा गया।

नव निर्माण भारत युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त हुए आकाश गुप्ता

आकाश गुप्ता जी नवस्ता को नवनिर्माण भारत युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए जाने पर बहुत-बहुत बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं आकाश गुप्ता जी नव निर्माण भारत संगठन में आपका हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन है और नवनिर्माण भारत संगठन आपसे अपेक्षा करता है कि आप नवनिर्माण भारत सामाजिक संगठन को मजबूत बनाने में संगठन की मदद करेंगे मुझे पूरा विश्वास है कि आप जैसे युवा देश के लिए बहुत ही ईमानदारी निष्ठा पूर्वक कार्य करेंगे। आकाश ने कहा मैं हमेशा गरीबों के लिए खड़ा होता हूं आज भी गरीबों के लिए खड़ा हूं और मैं पूरे ईमानदारी और निष्ठा पूर्वक से कार्य करूंगा और मैं यकीन दिलाता हूं। कि कोई भी गरीब भूखा प्यासा और खून की कमी के बिना नहीं मरेगा उनके लिये मैं अपनी जान को जोखिम में भी डाल कर उनकी मदद करूंगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजा बाबू ओझा जी सतीश नारायण शुक्ला नवनिर्माण भारत राष्ट्रीय महासचिव, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष दीपक मिश्रा है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478